



INS ACCREDITED

यूनिक्कॉम
एडवर्टाइजिंग

Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक्क समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त-134220
डॉक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

Sweet's

BY

MR

GROUP

Presents

Unique Samay Update

www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-244 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, बुधवार, 28 अक्टूबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपये | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

बंदियों के हुनर से रोशन होगी ब्रज की दीपावली

जेल में तैयार हो रही मिट्टी के लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां
मिट्टी के दीपक और रंग बिरंगी मोमबत्तियों भी हो रही तैयार



“ जेल में बंदियों द्वारा मिट्टी के लक्ष्मी-गणेश, दीपक और रंग बिरंगी मोमबत्तियां तैयार की जा रही हैं। बंदियों द्वारा तैयार मूर्तियों, दीपकों और मोमबत्तियों को जेल के बाहर स्टाल पर बिक्री के लिए भी रखा जाएगा।

अंशुमन गर्ग, जेल अधीक्षक।

यूनिक्क समय, मथुरा। दीपावली के पर्व पर इस बार मिट्टी के लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां और रंग-बिरंगी मोमबत्तियों से घर-आंगन रोशन होंगे। खास बात यह है कि इन मूर्तियों और

मोमबत्तियों को तैयार करने में जेल के बंदी जुटे हुए हैं। बंदियों द्वारा अपने हुनर और मेहनत से तैयार किए जा रहे इन उत्पादों के माध्यम से दीपावली को खास बनाने की तैयारी की जा

रही है। जेल में तैयार होने वाली इन वस्तुओं की बिक्री जेल के बाहर भी की जाएगी, जिससे लोग दीपावली के लिए जरूरी सामग्री खरीद सकेंगे।

जेल खुलने तक बंदी करते हैं काम

जिला कारागार में मिट्टी के लक्ष्मी-गणेश, दीपक और रंग बिरंगी मोमबत्तियां बनाने में करीब एक दर्जन बंदी लगे हैं। सभी बंदी जेल खुलने के समय तक इस काम में जुटे रहते हैं। इस काम से बंदियों को आर्थिक लाभ भी होता है। जेल में बनने वाली मिट्टी के लक्ष्मी-गणेश, दीपक और मोमबत्तियों के कोम्बो पैक भी तैयार किए जा रहे हैं। इन कोम्बो पैकों को जेल प्रशासन की ओर से वरिष्ठ अधिकारियों को बतौर तोहफा दीपावली पर भेंट किया जाएगा।

दीपावली का त्योहार रोशनी, मां लक्ष्मी-भगवान गणेश की पूजा का प्रतीक है। घरों और प्रतिष्ठानों में लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां स्थापित करने के साथ दीप जलाने और सजावट करने की परंपरा है। इसी को ध्यान में रखते हुए जेल

में बंदियों द्वारा मिट्टी की मूर्तियां तैयार की जा रही हैं। मूर्तियों को आकर्षक रूप देने के साथ ही रंग-बिरंगी मोमबत्तियां भी बनाई जा रही हैं, ताकि त्योहार पर लोग इनका इस्तेमाल कर सकें।



करवा चौथ पर होलीगेट स्थित कोषदा ज्वैलर्स शोरूम पर गहने पसंद करते ग्राहक।

खाद्य पदार्थों में प्रतिबंधित रंग मिले तो कारोबारियों पर होगी कार्रवाई

खाद्य पदार्थों में प्रतिबंधित रंग मिलाने वालों पर शिकंजे की तैयारी, मानक से ज्यादा रंग डालना भी अपराध

यूनिक्क समय, मथुरा। त्योहार के अलावा सामान्य दिनों में मिठाइयों और खाद्य पदार्थों को चटक रंग देकर ग्राहकों को लुभाने वाले कारोबारियों को अब नियमों की अनदेखी भारी पड़ सकती है। खाद्य पदार्थों में प्रतिबंधित रंगों का इस्तेमाल या अनुमत्य सीमा से अधिक कृत्रिम रंग मिलाना कानूनन अपराध है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिठाई विक्रेताओं से लेकर होटल, रेस्टोरेंट, बेकरी, कन्फेक्शनरी और स्ट्रीट फूड



कारोबारियों को चेतावनी देते हुए खाद्य सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं।

सहायक आयुक्त खाद्य डा. जतिन कुमार सिंह ने स्पष्ट किया कि खाद्य पदार्थों को आकर्षक बनाने के लिए मनमाने ढंग से रंग मिलाने की छूट नहीं है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 और विनियम-2011 के तहत केवल निर्धारित खाद्य रंगों का ही तय

इन रंगों का इस्तेमाल पूरी तरह प्रतिबंधित

सहायक आयुक्त डा. जतिन कुमार सिंह ने रोडमाइन बी, मेटानिल यलो, बटर यलो, मेलाकाइट ग्रीन, औरामाइन और सुदान जैसे प्रतिबंधित रंगों से दूर रहने की चेतावनी दी। इसके साथ ही कच्चे दूध, मलाई, सादे दही, छेना, पनीर, ताजे फल-सब्जियों, शिशु आहार, प्राकृतिक फलों के रस, पिसे मसालों, चायपत्ती, कॉफी, पैकेज्ड पेयजल, सूखे मेवों, अनाज, दालों, खाद्य तेल, घी, गुड़, शहद, पकी दाल-सब्जियों, बिरयानी, चटनी और फ्रेंच फ्राइज सहित निर्धारित खाद्य पदार्थों में रंग मिलाने पर प्रतिबंध है। विभाग ने कारोबारियों को नियमों का पालन करने की हिदायत दी है।

सीमा में इस्तेमाल किया जा सकता है। नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

विभाग के अनुसार, जहां 100 पीपीएम की अधिकतम सीमा लागू है, वहां 10 किलोग्राम खाद्य पदार्थ में अधिकतम एक ग्राम रंग मिलाया जा

सकता है। इसकी मात्रा सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल तराजू का इस्तेमाल जरूरी है। टरट्राजीन, सनसेट यलो, बीटा कैरोटीन, क्लोरोफिल, कैरामल, राइबोफ्लेविन, कारमोसीन और ब्रिलियंट ब्लू जैसे अनुमत्य रंगों का भी इस्तेमाल निर्धारित मानकों के अनुरूप ही किया जा सकता है।

सोने-चांदी के भाव गिरे, सराफा बाजार में लौटी रौनक

कीमतों में नरमी से खरीदारी को मिला जोर करवाचौथ-धनतेरस की बुकिंग शुरू

कारोबारियों को त्योहारी सीजन में 25 से 30 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद

यूनिक्क समय, मथुरा। सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट ने सराफा बाजार की सुस्ती दूर करने की उम्मीद जगा दी है। त्योहारी खरीदारी के दौर में अब ग्राहकों की नजरें आभूषणों की दुकानों पर टिकने लगी हैं। करीब एक माह से कीमतों में बने ठहराव और वर्तमान में नरमी से मध्यमवर्गीय परिवारों को राहत मिली है। करवाचौथ, धनतेरस और दीपावली को लेकर बाजार में तैयारियां तेज हो गई हैं। दुकानदारों को उम्मीद है कि इस बार कीमतों में नरमी खरीदारी बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी।



करवा चौथ पर होलीगेट स्थित एके ज्वैलर्स शोरूम पर ज्वेलरी पसंद करते ग्राहक।

पिछले साल 2025 के त्योहारी सीजन में सोने-चांदी के भाव में लगातार तेजी और उतार-चढ़ाव के चलते ग्राहकों ने खरीदारी में सावधानी बरती थी। मध्यमवर्गीय परिवारों ने भारी आभूषणों से दूरी बनाकर हल्के गहनों और सिक्कों तक खरीदारी सीमित रखी थी। इस बार दामों में आई नरमी से बाजार का माहौल बदलता दिखाई दे रहा है। कारोबारी भी इसे त्योहारी बिक्री के लिए सकारात्मक संकेत

मान रहे हैं।

होली गेट स्थित एके ज्वैलर्स के संचालक अक्षय कृष्ण गर्ग ने बताया कि करवा चौथ से पहले कीमतों में नरमी आने और बाजार में स्थिरता से मध्यमवर्गीय ग्राहकों का रुझान बढ़ा है। करवाचौथ और धनतेरस के लिए आकर्षक ज्वेलरी और डायमंड ज्वेलरी ग्राहकों की पहली पसंद बनी हुई है। फरह के ज्वेलर्स राजेश अग्रवाल के अनुसार,

करवा चौथ के गहने, धनतेरस के सिक्कों की बुकिंग

सराफा कारोबारियों के अनुसार, नवरात्र के बाद से ही दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बढ़ी है। करवाचौथ के लिए नए डिजाइन के आभूषण पसंद किए जा रहे हैं, जबकि धनतेरस के लिए सोने-चांदी के सिक्कों और वैवाहिक गहनों की अग्रिम बुकिंग शुरू हो गई है। आने वाले शादी-विवाह के सीजन को देखते हुए भी ग्राहक आभूषण खरीदने में रुचि दिखा रहे हैं।

सोना 1.46 लाख, चांदी 2.01 लाख रुपये के आसपास

बाजार में सोने का भाव करीब 1.46 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी का भाव करीब 2.00 लाख रुपये प्रति किलोग्राम बताया जा रहा है। वास्तविक कीमतें शुद्धता, स्थानीय बाजार और लागू करों के अनुसार अलग हो सकती हैं।

हल्के गहनों और सिक्कों की भी बढ़ी मांग

सोने-चांदी की कीमतों में नरमी से ग्राहकों की खरीदारी की रणनीति भी बदल रही है। बजट का ध्यान रखते हुए लोग हल्के वजन के आभूषण, सोने-चांदी के सिक्के और रोजमर्रा में पहने जाने वाले गहनों को प्राथमिकता दे रहे हैं। त्योहारों पर उपहार देने के लिए भी सिक्कों की मांग रहती है। सराफा कारोबारियों को उम्मीद है कि किरायायती विकल्पों की उपलब्धता से अधिक ग्राहक बाजार तक पहुंचेंगे और त्योहारी कारोबार को गति मिलेगी।

सोने-चांदी के दामों में गिरावट से बाजार में नई जान आई है। लोग त्योहारों के साथ आगामी लगन और शादी-समारोहों के

लिए भी आभूषण खरीद रहे हैं। उन्होंने इस बार कारोबार में 25 से 30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की उम्मीद जताई।

अंदर के पेजों की प्रमुख खबरें



मेहंदी से महकें हाथ चूड़ी-आभूषणों पर टूटी भीड़

पेज-04 पर



छाता शुगर मिल चालू कराने निकले किसान, नरी सेमरी पर रोके

पेज-12 पर



एमएलसी चुनाव में भाजपा पांच, सपा तीन सीट जीती

पेज-10 पर

गौशालाओं में अचानक पहुंची सीडीओ निर्माण की गुणवत्ता पर उठाए सवाल

यूनिक समय, मथुरा। निर्माणाधीन गौ-संरक्षण केंद्रों में काम की गुणवत्ता और संचालित गौशालाओं में गोवंशों की देखरेख परखने के लिए सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता बुधवार को अचानक निरीक्षण करने पहुंचीं। उनके पहुंचते ही निर्माण कार्यों से लेकर गोवंशों की सुरक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था तक की पड़ताल की गई। बढ़ौता के निर्माणाधीन केंद्रों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने तकनीकी समिति से जांच कराने के निर्देश दिए। वहीं, संचालित केंद्रों में गोवंशों की गिनती कराकर ईयर टैगिंग और नियमित उपचार में लापरवाही न बरतने की हिदायत दी।

सीडीओ ने बढ़ौता स्थित निर्माणाधीन वृहद गौ-संरक्षण केंद्र के ब्लॉक-7 व 8 और ब्लॉक-3, 4, 5 और 6 का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यदायी संस्था के साइट इंचार्ज को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य स्वीकृत प्राक्कलन



गांव बढ़ौता में वृहद गो संरक्षण केंद्र के निर्माण की जानकारी लेती सीडीओ डा. पूजा गुप्ता।

के अनुरूप और गुणवत्तापूर्ण तरीके से कराया जाए। कार्यों की गुणवत्ता की पुष्टि के लिए मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. एनएन शुक्ला को तत्काल तकनीकी समिति गठित कर जांच कराने को कहा। केंद्र के लिए चिन्हित पूरी भूमि पर प्राक्कलन के अनुसार तार फेंसिंग अथवा बाउंड्रीवाल कराने के भी निर्देश दिए, ताकि गोवंश खुले में न भटकें और

सुरक्षित परिसर में रखे जा सकें।

बढ़ौता के संचालित गौसंरक्षण केंद्र में सीडीओ ने गोवंशों की गिनती कराई। यहां 693 गोवंश संरक्षित मिले। गौशाला के दो शेडों में मरम्मत का कार्य होता पाया गया। उन्होंने संचालक को सभी गोवंशों की ईयर टैगिंग कराने और पशु चिकित्साधिकारी के माध्यम से नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, जरूरत के अनुसार

बढ़ौता के निर्माणाधीन केंद्रों की तकनीकी जांच के आदेश, स्वीकृत प्राक्कलन से काम कराने की सख्त हिदायत

उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके बाद सिहाना स्थित वृहद गौ-संरक्षण केंद्र का निरीक्षण किया गया, जहां गिनती में 340 गोवंश मिले। यहां भी सभी गोवंशों की ईयर टैगिंग और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने को कहा गया। सीडीओ ने साफ किया कि गौ-संरक्षण केंद्रों में निर्माण की गुणवत्ता, पशुओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। निरीक्षण के दौरान मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. एनएन शुक्ला, बीडीओ ज्योति शर्मा और कार्यदायी संस्था के साइट इंचार्ज मौजूद रहे।

बांकेबिहारी मंदिर में घटे श्रद्धालु बुधवार को कम दिखी भीड़



बुधवार को बांके बिहारी मंदिर में पूजा करते श्रद्धालु।

आसानी दिखाई दी। वहीं, बाजारों और प्रसाद की दुकानों पर भी पिछले दिनों के मुकाबले कम भीड़ नजर आई। धार्मिक आयोजनों और विशेष पर्वों के दौरान वृंदावन में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ जाती है, जबकि पर्व समाप्त होने के बाद भीड़ में कमी देखने को मिलती है।

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में बुधवार को श्रद्धालुओं की भीड़ अपेक्षाकृत कम दिखाई दी। शरद पूर्णिमा के बाद मंदिर में दर्शन करने आने वाले भक्तों की संख्या में कमी देखने को मिली। बुधवार होने के कारण मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पिछले दिनों की तुलना में कम चहल-पहल नजर आई। शरद पूर्णिमा पर वृंदावन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु ठाकुर बांकेबिहारी के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इस दौरान मंदिर के आसपास की गलियों में भी भक्तों की आवाजाही बढ़ जाती है। पूर्णिमा के बाद बुधवार को स्थिति सामान्य दिखाई दी। मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं ने कतार में लगकर ठाकुरजी के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर के आसपास की गलियों में भी श्रद्धालुओं की आवाजाही सामान्य रहने से लोगों को आने-जाने में अपेक्षाकृत

मिशन शक्ति टीम ने पति-पत्नी का विवाद सुलझाया

यूनिक समय, मथुरा। बलदेव थाना परिसर में मिशन शक्ति टीम के प्रयास से पति-पत्नी के बीच चल रहा विवाद सुलझ गया। टीम ने दोनों की काउंसलिंग कर गलतफहमियां दूर की और पारिवारिक जीवन में आपसी तालमेल, सम्मान और शांति का महत्व समझाया। इसके बाद दंपती साथ रहने को राजी हो गया और घर लौट गया।

जानकारी के अनुसार, बलदेव थाने में एक महिला ने अपने पति के साथ हुए विवाद को लेकर शिकायत की थी। मिशन शक्ति टीम ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए महिला के पति को थाने बुलाया। इसके बाद

काउंसलिंग कर दूर की गलतफहमियां, आपसी तालमेल और सम्मान का दिया संदेश

सुलह के बाद साथ रहने को राजी हुआ दंपती

दोनों को आमने-सामने बैठकर बातचीत कराई गई और विवाद की वजह समझने का प्रयास किया गया।

काउंसलिंग के दौरान टीम ने दोनों पक्षों की बात

सुनी और उनके बीच पैदा हुई गलतफहमियों को दूर करने का प्रयास किया। टीम ने पति-पत्नी को समझाया कि पारिवारिक जीवन को सुखद बनाए रखने के लिए आपसी विश्वास, सम्मान, संवाद और समझदारी जरूरी है। छोटी-छोटी बातों को लेकर विवाद बढ़ाने के बजाय बातचीत से समाधान निकालने की सलाह भी दी गई। मिशन शक्ति टीम की पहल पर दोनों पक्षों के बीच सुलह हो गई। पति-पत्नी ने पुरानी बातों को भुलाकर साथ रहने और भविष्य में आपसी तालमेल बनाए रखने का भरोसा दिलाया। इसके बाद दोनों खुशी-खुशी एक साथ घर चले गए।

नगर आयुक्त के निरीक्षण में मिली खामियां, दो कर्मचारियों का वेतन रोका

यूनिक समय, मथुरा। नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने बुधवार सुबह 10 बजे नगर निगम के भूतेश्वर मुख्यालय स्थित रिकॉर्ड विभाग और टैक्स विभाग का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अभिलेखों के रखरखाव, पत्रावलियों के निस्तारण और कार्यालय की व्यवस्थाओं में कमियां मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई। रिकॉर्ड विभाग के लिपिक का अक्टूबर 2026 का वेतन और टैक्स विभाग के एक कंप्यूटर ऑपरेटर का भी वेतन रोकने के निर्देश दिए।

रिकॉर्ड विभाग में स्टॉक रजिस्ट्रों का उचित रखरखाव नहीं मिला। आपूर्ति-वितरण संबंधी अभिलेखों में कमियां, पत्रावलियों का अव्यवस्थित संधारण तथा लैपटॉप और अन्य सामग्री का समय पर वितरण नहीं होने पर नगर आयुक्त ने लिपिक से स्पष्टीकरण मांगा। टैक्स रिसीविंग बिल



बुधवार को भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय में अभिलेख देखते नगर आयुक्त ओजस्वी राज।

और कार्यालय में उपलब्ध उपकरणों के संबंध में भी जवाब देने को कहा। उन्होंने सभी रजिस्टर व्यवस्थित रखने और लंबित पत्रावलियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। चार नवंबर 2026 तक अनुपालन नहीं होने पर विभागीय कार्रवाई की चेतावनी दी।

टैक्स विभाग में मुख्य कर निर्धारण अधिकारी और कर निर्धारण अधिकारी के कक्ष के समीप कार्य कर रहे कंप्यूटर

ऑपरेटर को दूसरे कक्ष में शिफ्ट करने को कहा। कार्यालय का पीवीसी आदि से नवीनीकरण कराने, कर्मचारियों की टेबल पर कपड़ा बिछाने, नेम प्लेट और कार्य विवरण लगाने और अलमारियों, टेबल-कुर्सियों को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। शौचालय में गंदगी मिलने पर सफाई सुनिश्चित करने को कहा।

निरीक्षण में 15 अक्टूबर को प्राप्त

रिकॉर्ड विभाग के लिपिक को नोटिस, चार नवंबर तक सुधार के निर्देश

टैक्स विभाग में पत्रावलियां 24 घंटे में पोर्टल पर करनी होंगी अपडेट

नामांतरण की पत्रावली उसी दिन पोर्टल पर अपलोड मिली। नगर आयुक्त ने निर्देश दिए कि कर निर्धारण और नामांतरण की पत्रावलियां अनुमोदन के 24 घंटे के भीतर पोर्टल पर अपडेट हों और रजिस्टर में प्रविष्टि दर्ज की जाए। कार्य से जुड़े सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं देने वाले कंप्यूटर ऑपरेटर का एक दिन का वेतन बाधित करने और दो नवंबर तक व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

Aakash CIMS
Super Speciality Hospitals
मथुरा बूज में पहली बार

India's Most Advanced

CRRT

(निरन्तर किडनी रिप्लेसमेंट थेरेपी)
(Continuous Renal Replacement Therapy)

किडनी मरीजों का विश्वस्तरीय इलाज, आकाश सिम्स हॉस्पिटल में

डायरेक्टर एवं वरिष्ठ सलाहकार,
नेफ्रोलॉजी एवं डायलिसिस विभाग
डॉ. आशीष शर्मा
MBBS, DrNB, Fellow Nephrology, IIRAV Italy
वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ

CRRT के लाभ
BENEFITS OF CRRT

CRRT उन गंभीर मरीजों के लिए सबसे उपयुक्त है जिनकी किडनी ने काम करना बंदकर दिया हो या जिनके शरीर से विषैले पदार्थ, अतिरिक्त पानी और विषैले तत्वों को हटाने के लिए निरन्तर उपचार की आवश्यकता होती है।

यह किस-किस स्थितिमें मे मदद करता है?

- Kidney Failure
- Brain Injury
- Septic
- Poisoning
- Liver Failure
- Lung Failure
- Heart Failure
- और भी कई मरीज स्थिति

Call Connect +91-9258113570, 9258113571
टीपीए, हेल्थ इंश्योरेंस एवं बीमा कम्पनियाँ द्वारा कैंशलेस इलाज उपलब्ध
आकाश सिम्स हॉस्पिटल, निकट राधावेली, एन.एच.19, मथुरा

92 करोड़ से संवरेंगे मथुरा के तीन प्रमुख मार्ग



बुधवार को विकास कामों को भूमि पूजन करते नगर आयुक्त ओजस्वी राज आदि।

यूनिक समय, मथुरा। शहर की प्रमुख सड़कों की सूरत बदलने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में नगर निगम ने कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट योजना (सीएम ग्रीड) फेज-3 के तहत बुधवार को तीन प्रमुख मार्गों के विकास और सौंदर्यीकरण कार्यों का भूमि पूजन किया गया। मसानी रोड पर नगर आयुक्त ओजस्वी राज और संबंधित क्षेत्रीय पार्षदों ने भूमि पूजन कर कार्यों की शुरुआत की।

योजना के तहत करीब 5.45 किलोमीटर लंबे तीन मार्गों पर कुल 92.09 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इनमें मसानी से गोखुल रेस्टोरेंट तक 2.50 किलोमीटर मार्ग पर 42.01 करोड़ रुपये, भरतपुर गेट से स्टेट बैंक चौराहे होते हुए श्रीकृष्ण जन्मभूमि तक 1.70 किलोमीटर मार्ग पर 26.27 करोड़ रुपये और मछली फाटक स्थित जैन फर्नीचर से डेम्पियर नगर तक 1.25 किलोमीटर मार्ग पर 23.81 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

विकास कार्यों में सड़क उन्नयन, फुटपाथ निर्माण, नालियों का विकास,

सीएम ग्रीड फेज-3 के तहत मसानी, भरतपुर गेट और डेम्पियर नगर रोड का होगा विकास

सड़क-फुटपाथ से लेकर अंडरग्राउंड बिजली लाइन और पार्किंग तक की सुविधाएं विकसित होंगी

विद्युत और अन्य उपयोगिताओं की अंडरग्राउंडिंग, व्यवस्थित पार्किंग स्थल और डिवाइडर का निर्माण शामिल है। इसके साथ ही लैंडस्केपिंग, हॉर्टिकल्चर, स्ट्रीट लाइट और साइनेज जैसी सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। इन कार्यों से प्रमुख मार्गों पर आवागमन सुगम बनाने, पैदल यात्रियों को बेहतर सुविधा देने और पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित करने में मदद मिलने की उम्मीद है। नगर निगम के अनुसार, योजना का उद्देश्य शहर में आधुनिक शहरी सुविधाओं का विकास कर नागरिकों को बेहतर आधारभूत ढांचा उपलब्ध कराना है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर बाइक का टायर फटा, महिला गंभीर घायल

यूनिक समय, मथुरा। यमुना एक्सप्रेसवे पर बुधवार सुबह बाइक का टायर अचानक फटने से बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसे में बाइक सवार महिला संध्या के सिर में गंभीर चोट आई। उन्हें चिंताजनक हालत में जेवर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में उनके पति को चोट नहीं आई।

जानकारी के अनुसार, फिरोजाबाद जनपद के मकखनपुर निवासी व्यक्ति अपनी पत्नी संध्या के साथ बाइक से नोएडा की ओर जा रहा था। बुधवार सुबह करीब साढ़े सात बजे एक्सप्रेसवे

पर माइलस्टोन संख्या 76.750 के समीप अचानक बाइक का टायर फट गया। इससे बाइक का संतुलन बिगड़ गया और दोनों सड़क पर गिर पड़े। इस दौरान संध्या सिर के बल सड़क पर गिरी, जिससे उन्हें गंभीर चोट लग गई।

हादसे की सूचना मिलते ही बाजना कट चौकी प्रभारी हेरंद सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायल महिला को जेवर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। सिर में गंभीर चोट के कारण उनकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है।

हत्या में तीन सगे भाइयों समेत छह को उम्रकैद

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन कोतवाली क्षेत्र के आझई खुर्द में वर्ष 2016 में हुई हत्या के मामले में जिला जज विकास कुमार की अदालत ने तीन सगे भाइयों समेत छह आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर 20-20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। फैसला सुनाए जाने के बाद सभी दोषियों को जेल भेज दिया गया। शासन की ओर से मुकदमे की पैरवी जिला शासकीय अधिवक्ता शिवराम सिंह तरकर ने की।

अभियोजन के अनुसार, आझई खुर्द निवासी भूपन सिंह अपने भतीजों धीरू उर्फ धीरज और गोपाल के साथ एक सितंबर 2016 को गोवर्धन थाना



क्षेत्र के गांव बसौती में पूरन सिंह के यहां गए थे। वहां से गोवर्धन परिक्रमा करने के बाद तीनों देर रात गांव लौट रहे थे। रात करीब दो बजे आझई में चतुरी पंडित के खेत के पास पहले से घात लगाकर बैठे हथियारबंद हमलावरों ने उन्हें घेर लिया। हमलावरों ने धीरू उर्फ धीरज पर असलाह और फरसे से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

2016 में वृंदावन क्षेत्र में घात लगाकर किया था हमला, युवक की गई थी जान

अदालत ने दोषियों पर 20-20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया

घटना के बाद भूपन सिंह ने गांव के सत्तो, भंडारी उर्फ भूदेव और दुंगर पुत्रगण स्व. रघुनाथ सहित दो-तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ वृंदावन कोतवाली में हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पुलिस विवेचना में धर्म सिंह उर्फ धर्मो निवासी गांव जुझार, चौमुहा और देवी सिंह निवासी आझई खुर्द के नाम भी प्रकाश में आए। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र न्यायालय में दाखिल किया। मुकदमे की सुनवाई जिला जज विकास कुमार की अदालत में हुई। जिला शासकीय अधिवक्ता शिवराम सिंह तरकर के अनुसार, अदालत ने धीरू उर्फ धीरज की हत्या के मामले में छह आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास और 20-20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। सभी आरोपी जमानत पर थे। निर्णय के बाद अदालत ने उन्हें सजा भुगतने के लिए जेल भेज दिया।

पानी की बोतल लेने उतरा यात्री ट्रेन से गिरा

यूनिक समय, मथुरा। पानी की बोतल लेने गोलडन टेम्पल से गिरकर यात्री चूटेल हो गया। उसका सामान भी ट्रेन में ही छूट गया। वीडियो कॉल के माध्यम से यात्री के छूटे सामान को बरामद कर दिल्ली निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर जमा करा दिया।

गोरेगांव मुंबई निवासी तौफीक शरीफ गोलडन टेम्पल एक्सप्रेस में सवार होकर यमुना नगर हरियाणा अपनी मौसी के घर जा रहे थे। बुधवार की सुबह ट्रेन जब जंक्शन रेलवे स्टेशन पर रूकी तो वह पानी की बोतल लेने उतर गए। इसी बीच ट्रेन चल दी। तौफीक शरीफ ने चलती ट्रेन में सवार होने का प्रयास किया, तो वह गिर गए। गनीमत ये रही कि ट्रेन की चपेट में नहीं आए। गिरने से उन्हें मामूली चोट लगी। उनका सामान भी ट्रेन में ही छूट गया।

तौफीक शरीफ ने जीआरपी थाने पर सूचना दी। जीआरपी थाने के उप निरीक्षक ने ट्रेन में एस्कॉर्ट ड्यूटी कर

वीडियो कॉल के माध्यम से तलाशा यात्री का छूटा सामान

रहे सिपाहियों से बात की और तौफीक शरीफ जिस कोच में यात्रा कर रहे थे उसकी सीट पर उन्हें भेज कर वीडियो कॉल कर उनका सामान दिखाया। तौफीक शरीफ ने अपना सामान पहचान लिया। इसके बाद सिपाहियों ने सामान को अपने कब्जे में ले लिया।

जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप सिंह ने बताया कि गोलडन टेम्पल एक्सप्रेस से पानी की बोतल लेने उतरे तौफीक शरीफ ट्रेन से गिरकर चूटेल हो गए थे। वीडियो कॉल के माध्यम से सिपाहियों ने उनका सामान बरामद कर लिया, जिसे दिल्ली निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर जमा करा दिया। यात्री को दूसरी ट्रेन से दिल्ली निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के लिए सवार करा दिया।

हाईवे पर बेकाबू चेसिस ट्रक गैराज में घुसा, चालक की मौत

पांच कारें क्षतिग्रस्त सहचालक की हालत गंभीर

यूनिक समय, मथुरा। दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बीती रात एक नया ट्रक चेसिस अनियंत्रित होकर सड़क की दूसरी लेन पार करता हुआ सर्वोदय इंटर कॉलेज के समीप कार गैराज में जा घुसा। हादसे में चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सहचालक गंभीर घायल हो गया। गैराज में खड़ी पांच कारें भी क्षतिग्रस्त हो गईं।

जानकारी के अनुसार, चालक अजय (30) निवासी छतारी, मैनपुरी कंपनी का नया ट्रक चेसिस लेकर जा रहा था। उसके साथ संजेश क्लीनर के रूप में मौजूद था। रात करीब एक बजे जैत थाना क्षेत्र में सर्वोदय इंटर कॉलेज के सामने अचानक ट्रक चेसिस अनियंत्रित हो गया और सड़क पार गैराज में घुस गया। हादसे में अजय की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल संजेश को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। अजय के

शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने मृतक के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP:- 134220

अक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

आरपीएफ ने बिछड़ी तीन वर्षीय बच्ची को परिजनों से मिलाया

प्लेटफार्म नंबर एक पर डरी-सहमी हालत में मिली थी मासूम

यूनिक समय, मथुरा। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों ने तत्परता दिखाते हुए जंक्शन रेलवे स्टेशन पर अपने परिजनों से बिछड़ी तीन वर्षीय मासूम बच्ची को सकुशल उनके परिवार से मिला दिया। बच्ची के मिल जाने पर परिजनों ने राहत की सांस ली, आरपीएफ की टीम का आभार व्यक्त किया।

जानकारी के अनुसार, रात्रि में अपराध रोकथाम ड्यूटी के दौरान रेलवे सुरक्षा बल के उप निरीक्षक सुजीत सिंह चंदेल और मेरी सहेली ड्यूटी पर तैनात महिला आरक्षक मीनू कुमारी को जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर एक पर लगभग तीन वर्ष की एक बच्ची डरी-सहमी और गुमसुम हालत में मिली। बच्ची को अकेला देखकर आरपीएफ कर्मियों ने तत्काल कार्रवाई शुरू की।



परिजनों के साथ बरामद बच्ची, साथ है आरपीएफ की महिला सिपाही।

उप निरीक्षक सुजीत सिंह चंदेल ने लाउड हेलर के माध्यम से उद्घोषणा कर बच्ची के परिजनों की तलाश शुरू कराई।

प्रयासों के बाद बच्ची के परिजनों का पता चल गया और मासूम को सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया गया। बच्ची की मां ने उसका नाम अनया खान पुत्री शाहिद खान, उम्र तीन वर्ष, निवासी गांव गुड़िया, पोस्ट गांधीनगर, जिला बस्ती बताया। उन्होंने उप निरीक्षक सुजीत सिंह चंदेल सहित रेलवे सुरक्षा बल की टीम की सराहना करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

स्वाद में लाजवाब सेहत में बेहतरीन भुना दलिया।

OUR PRODUCTS

- M.P Wheat Atta
- Missa Atta
- Murmura
- Roasted Daliya
- Multi Grain Atta
- Makka Atta
- Poha
- Kuttu Atta
- Multi Millet Atta
- Bajra Atta
- Sooji
- Maida

www.greengoldgrocers.com 8272013780

यमुना एक्सप्रेसवे से गायब हुए इमरजेंसी फोन बॉक्स



सुरक्षा के दावों के बीच बदली व्यवस्था, आपात स्थिति में मोबाइल के भरोसे चालक

अधिकारी बोले-नई गाइडलाइन में बंद हुआ इस्तेमाल, टोल फ्री नंबर से मिलेगी मदद

यूनिक समय, मथुरा। यमुना एक्सप्रेसवे पर वाहन चालकों को आपात स्थिति में तत्काल मदद दिलाने के लिए लगाए गए इमरजेंसी फोन बॉक्स अब दिखाई नहीं देते। कहीं बॉक्स चोरी होने तो कहीं रखरखाव के अभाव में खराब होकर टूटने की बात सामने आई है। ऐसे में वाहन खराब होने, टायर फटने या दुर्घटना की स्थिति में तत्काल सहायता मिलने की व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, एक्सप्रेसवे अधिकारियों का कहना है कि नई गाइडलाइन के तहत अब इन बॉक्सों का इस्तेमाल नहीं किया जाता। सहायता के लिए टोल फ्री नंबर उपलब्ध है। यमुना

अब अपने मोबाइल से मांगनी पड़ती है मदद

समय के साथ कई फोन बॉक्स गायब हो गए, जबकि कुछ खराब होकर टूट गए। अब आपात स्थिति में वाहन चालकों को अपने मोबाइल फोन से सहायता मांगनी पड़ती है। एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार वाहनों के बीच वाहन खराब होने या दुर्घटना होने पर समय से मदद मिलना बेहद जरूरी है। खासकर दुर्घटना में घायल लोगों तक जल्द सहायता पहुंचाना महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में इमरजेंसी फोन बॉक्सों के गायब होने से पुरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। इस संबंध में एक्सप्रेसवे के एक अधिकारी ने बताया कि नई गाइडलाइन के अनुसार इमरजेंसी फोन बॉक्सों का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। आपातकालीन सहायता या शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर की सुविधा उपलब्ध है।

एक्सप्रेसवे के आगरा-नोएडा मार्ग पर पहले जगह-जगह खंभों पर इमरजेंसी मोबाइल फोन बॉक्स लगाए गए थे। इनका उद्देश्य रास्ते में वाहन खराब होने, टायर फटने, ईंधन खत्म होने या दुर्घटना जैसी स्थिति में चालकों को तुरंत मदद उपलब्ध कराना था। इन बॉक्सों से की गई कॉल सीधे नियंत्रण कक्ष तक पहुंचती थी। सूचना मिलने पर एक्सप्रेसवे की सहायता टीम मौके पर पहुंचकर समस्या के समाधान का प्रयास करती थी।

के.डी. मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेण्टर

विशेषज्ञ शल्य चिकित्सा सेवाएँ

सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट
ट्रांसप्लांट, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर एवं जटिल शल्य चिकित्सा के विशेषज्ञ

डॉ. मयंक माथुर

प्रमुख विशेषज्ञताएँ

- 01 | सर्जिकल ऑन्कोलॉजी**
विभिन्न प्रकार के कैंसर के शल्य चिकित्सा उपचार में विशेषज्ञता।
- 02 | गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी**
पेट, छोटी-बड़ी आंत एवं पाचन तंत्र से संबंधित जटिल रोगों की सर्जरी।
- 03 | कोलेरेक्टल सर्जरी**
बड़ी आंत एवं मलाशय से संबंधित बीमारियों का शल्य उपचार।
- 04 | लिवर एवं हेपेटोबिलियरी सर्जरी**
लिवर, पित्ताशय एवं पित्त नलिकाओं से संबंधित समस्याओं का शल्य उपचार।
- 05 | लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी**
लिवर प्रत्यारोपण के क्षेत्र में विशेषज्ञता।
- 06 | बेरिटिक सर्जरी**
मोटापे के उपचार हेतु शल्य चिकित्सा संबंधी विशेषज्ञता।
- 07 | रोबोटिक गैस्ट्रिक सर्जरी**
पेट एवं पाचन तंत्र की सर्जरी में रोबोटिक तकनीक संबंधी विशेषज्ञता।
- 08 | पेरिटोनियल ऑन्कोलॉजी**
पेरिटोनियम यानी पेट की आंतरिक परत से संबंधित कैंसर का विशेषज्ञ शल्य उपचार।

इन समस्याओं में लें विशेषज्ञ परामर्श

- पेट एवं आंतों से संबंधित जटिल रोग
- कोलेरेक्टल एवं गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर
- लिवर एवं पित्त प्रणाली से संबंधित सर्जिकल समस्याएँ
- कैंसर की सर्जरी से संबंधित परामर्श
- मोटापे के शल्य उपचार संबंधी परामर्श
- पेरिटोनियल कैंसर से संबंधित समस्याएँ
- जटिल पेट की सर्जरी के लिए विशेषज्ञ राय

शैक्षणिक योग्यता एवं विशेष प्रशिक्षण
DR. MAYANK MATHUR
MBBS, MS - Surgery
MCh - Surgical Oncology - UK
Colorectal & Peritoneal Oncology - The Christie - UK
Surgical Gastroenterology and Liver Transplant Fellow (Sir Gangaram Hospital, Delhi)
Fellowship in Bariatric Surgery - UK
Fellowship in Robotic Oesophageal Gastric Surgery - UK

विशेषज्ञ उपचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम
ट्रांसप्लांट, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर एवं जटिल पाचन तंत्र संबंधी रोगों में सही चिकित्सकीय परामर्श, उचित जाँच और उपचार की योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विशेषज्ञ की सलाह से मरीज अपनी बीमारी एवं उपलब्ध उपचार विकल्पों को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं।

अकबरपुर, एनएच-19, मथुरा - 281406 **7055400400, 7088105741**



गुरुवार को मनाए जाने वाले करवा चौथ पर्व को श्रृंगार का सामान खरीदती महिलाएं।



कृष्णा नगर में करवा चौथ के लिए मेहंदी लगवाती महिलाएं।

मेहंदी से महके हाथ, चूड़ी-आभूषणों पर दूटी भीड़

करवा चौथ की खरीदारी से गुलजार हुए बाजार, सुहागिनों ने खोला खजाना

करवा, मिठाई और सजीली पूजा थालियों की बढ़ी मांग

यूनिक समय, मथुरा। सुहाग की सलामती की कामना और चांद के दीदार की प्रतीक्षा से पहले बुधवार को शहर और कस्बों के बाजार करवा चौथ के रंग में रंगे नजर आए। पर्व से एक दिन पहले खरीदारी के लिए निकली सुहागिनों ने बाजारों में जमकर खरीदारी की। कहीं चूड़ियों की खनक गुंजी तो कहीं मेहंदी की खुशबू बिखरी। श्रृंगार सामग्री, आभूषण, करवा, मिठाई और सजावटी पूजा थालियों की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ रही। सुबह से शाम तक बाजारों में रैनक बनी रही और दुकानदार ग्राहकों को संभालने में जुटे रहे।

गुरुवार को मनाए जाने वाले करवा चौथ पर्व के लिए महिलाओं ने तैयारियों को अंतिम रूप दिया। किसी ने साड़ी और श्रृंगार का सामान पसंद किया तो किसी ने अपनी पसंद के आभूषण खरीदे। सौंदर्य प्रसाधनों की दुकानों पर भी महिलाओं की आवाजाही बनी रही। हाथों पर मेहंदी रचाने के लिए महिलाएं उत्साहित दिखीं। मेहंदी लगाने वालों के पास भी ग्राहकों की भीड़ रही। पर्व को लेकर महिलाओं के उत्साह ने बाजारों की चहल-पहल बढ़ा दी।



कृष्णा नगर में करवा चौथ के लिए करवे खरीदती महिलाएं।



करवा चौथ पर पूजा को कैलेंडर खरीदती महिला।



बुधवार को खरीदारी को आई भीड़ की वजह से कृष्णा नगर बाजार में लगा जाम।

बाजारों में दिखा पर्व का रंग, घरों में तैयारियां पूरी

करवा चौथ सुहागिनों के लिए आस्था और दांपत्य प्रेम का विशेष पर्व है। इस दिन महिलाएं पति की लंबी उम्र और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के साथ व्रत रखती हैं। पर्व से पहले बाजारों में उमड़ी भीड़ ने त्योहार की रैनक को और बढ़ा दिया। खरीदारी के उत्साह के बीच बाजारों में दिनभर चहल-पहल रही। अब महिलाओं को गुरुवार को व्रत, पूजन और चांद के दीदार का इंतजार है।

करवा-कलेंडर से सजी दुकानें, पूजा थालियों की धूम

करवा चौथ की पूजा के लिए मिट्टी और चीनी से बने करवे खरीदने के लिए भी महिलाएं पहुंचीं। करवा चौथ से जुड़े कलेंडर और आकर्षक सजावटी पूजा थालियों की खूब मांग रही। मिठाई की दुकानों पर भी ग्राहकों की आवाजाही बढ़ी। महिलाओं ने व्रत और पूजन से जुड़ी सामग्री खरीदकर तैयारियां पूरी कीं। दुकानों पर सजे रंग-बिरंगे करवे और चमकदार पूजा थालियां पर्व के उल्लास को और खास बनाती नजर आईं।

खरीदारी ने बाजारों में बढ़ाया दबाव, जाम में फंसा शहर



बुधवार को कृष्णा नगर के मुख्य मार्ग पर लगे जाम में फंसे वाहन।

यूनिक समय, मथुरा। करवा चौथ की खरीदारी को लेकर बाजारों में ऐसी भीड़ उमड़ी कि सड़कों पर चलना मुश्किल हो गया। बुधवार को महिलाओं की भारी भीड़ से शहर के प्रमुख बाजार

गुलजार रहे तो दूसरी ओर यातायात व्यवस्था की रफ्तार थम गई। होली गेट क्षेत्र और कृष्णा नगर के आसपास जाम लगने से राहगीर जूझते रहे। कई लोग देर तक वाहनों के बीच फंसे रहे।

त्योहार की रैनक के बीच जाम ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी।

करवा चौथ की तैयारियों के लिए सुबह से ही बाजारों में महिलाओं की आवाजाही शुरू हो गई। होली गेट,

चूड़ी-साड़ी और श्रृंगार की दुकानों पर उमड़ी महिलाओं की भीड़

रामलीला मैदान से कृष्णा नगर चौराहे तक थमे वाहनों के पहिये

रंगेश्वर, छत्ता बाजार, चौक बाजार, कृष्णा नगर में साड़ियों, चूड़ियों, श्रृंगार सामग्री और पूजन के सामान की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ जुटी रही। व्रत को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह दिखाई दिया।

खरीदारी के लिए उमड़े लोगों से बाजारों में चहल-पहल बढ़ी और दुकानदार भी ग्राहकों के इंतजार में व्यस्त नजर आए।



फरह कस्बा में करवा चौथ पूजा के लिए चीनी का करवा खरीदती महिला।

खरीदारी की भीड़, सड़कों पर वाहनों की कतार

यूनिक समय, मथुरा। बाजारों में बढ़ती भीड़ का असर यातायात पर साफ दिखाई दिया। होली गेट और आसपास वाहनों की रफ्तार थम गई। जाम में फंसे राहगीरों को निकलने के लिए इंतजार करना पड़ा। बाजार पहुंचे ग्राहकों के साथ स्थानीय दुकानदारों को भी आवागमन में परेशानी हुई। होली गेट के अंदर संकरी सड़कों और भीड़भाड़ वाले बाजारों में यातायात का दबाव बढ़ने से लोगों की मुश्किलें और बढ़ गईं। करवा चौथ के नजदीक आने के साथ बाजारों में खरीदारी का दबाव और बढ़ सकता है। ऐसे में प्रमुख बाजारों में यातायात व्यवस्था संभालना चुनौती रहेगा। त्योहार की खरीदारी के उत्साह के बीच लोगों को जाम से राहत दिलाने के लिए प्रभावी यातायात प्रबंधन की जरूरत महसूस की गई।

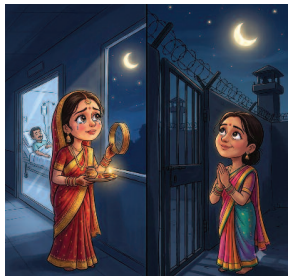
दूरी, बीमारी और जेल की सलाखें भी नहीं रोक पाएंगी करवा चौथ का व्रत

कहीं परदेस में पति
कहीं अस्पताल तो कहीं
जेल में, फिर भी रखेंगी
करवा चौथ का व्रत

चांद के दीदार के साथ
करेंगी पति की लंबी उम्र
की कामना

अस्पताल और जेल
में बंद पतियों के लिए
भी दुआ

यूनिक समय, मथुरा। करवा चौथ का नाम आते ही सजी-धजी महिलाएं, हाथों में रची मेहंदी, खनकती चूड़ियां और चांद के दीदार का इंतजार आंखों



के सामने आ जाता है। पति की लंबी उम्र की कामना के लिए महिलाएं दिनभर निर्जला व्रत रखती हैं और शाम को विधि-विधान से पूजा-अर्चना करती हैं। लेकिन हर सुहागिन के लिए इस पर्व की खुशियां एक जैसी नहीं होती। किसी के पति रोजगार के सिलसिले में परदेस में हैं, तो किसी के अस्पताल में भर्ती होने से परिवार चिंता में डूबा है। कुछ महिलाएं ऐसी भी हैं, जिनके पति जेल में बंद हैं। इसके बावजूद उनके मन में पति की सलामती

दूरी के बीच फोन-वीडियो कॉल बनेगा सहारा

शहर से लेकर देहात तक कई महिलाएं ऐसी हैं, जिनके पति नौकरी या रोजगार के कारण दूसरे शहरों में रहते हैं। करवा चौथ पर ये महिलाएं फोन और वीडियो कॉल के जरिए पति का चेहरा देखकर त्योहार की खुशियां साझा करेंगी। चांद निकलने पर पति की लंबी उम्र की कामना के साथ व्रत खेलने का यह पल उनके लिए भावुक करने वाला होगा। दूरी भले ही साथ बैठकर पूजा करने का अवसर न दे, लेकिन प्रेम और विश्वास की डोर उन्हें एक-दूसरे से जोड़े रखेगी।

और बेहतर भविष्य की उम्मीद कायम है।

जिन महिलाओं के पति अस्पताल में भर्ती हैं, उनके लिए करवा चौथ की पूजा पति के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना से जुड़ी होगी। व्रत के दौरान उनके मन में यही कामना रहेगी कि पति जल्द स्वस्थ होकर घर लौटें और परिवार की खुशियां फिर से लौट आएँ। वहीं, जिन महिलाओं के पति जेल में बंद हैं, उनके लिए भी यह पर्व भावनाओं से भरा रहेगा। वे पूजा-

अर्चना कर पति के अच्छे स्वास्थ्य, जीवन में सुधार और परिवार में सुख-शांति की प्रार्थना करेंगी।

करवा चौथ का पर्व इन महिलाओं के लिए केवल परंपरा निभाने का दिन नहीं, बल्कि रिश्तों के प्रति समर्पण, भरोसे और उम्मीद का प्रतीक भी है। किसी के लिए चांद का दीदार खुशियों की सौगात लाएगा, तो किसी के लिए यही चांद अपनों की सलामती और उनके साथ फिर से सुखद जीवन बिताने की आस जगाएगा।

ब्रजस्थ मैथिल ब्राह्मण समाज का युवक युवती परिचय सम्मेलन एक नवंबर को

यूनिक समय, मथुरा। श्री ब्रजस्थ मैथिल ब्राह्मण शाखा सभा मथुरा के तत्वावधान में एक नवंबर को समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन धौली प्याऊ स्थित हनुमान नगर के श्री हनुमान मंदिर धर्मशाला में सुबह 10 बजे से शुरू होगा।

ब्रजस्थ मैथिल ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित हीरालाल शर्मा ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य विवाह

योग्य युवक-युवतियों के लिए योग्य जीवनसाथी के चयन का अवसर उपलब्ध कराना है। जिन परिवारों में विवाह योग्य युवक या युवती हैं, वे सम्मेलन में शामिल होकर अपने पाल्यों के लिए उपयुक्त वर-वधू का चयन कर सकते हैं। उन्होंने समाज के सभी गणमान्य लोगों और सहयोगियों से सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है। कार्यक्रम का समापन सहभोज के साथ होगा।

ट्रैक्टर की टक्कर से व्यक्ति गंभीर घायल

यूनिक समय, मथुरा। बलदेव थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर की टक्कर से एक व्यक्ति गंभीर घायल हो गया। मामले में पुलिस ने शिकायत के आधार पर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में देवेश कुमार, निवासी गांव चंचन थाना बलदेव ने बताया कि 26 अक्टूबर को दोपहर उनके पिता गांव से भरतिया जा रहे थे। इसी दौरान नंदगांव के पास रोड पर एक ट्रैक्टर ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। शिकायत में चालक का नाम मच्छंद, निवासी बरौली, थाना बलदेव, मथुरा बताया गया है। हादसे में देवेश कुमार के पिता को गंभीर चोटें आईं। उनके दोनों पैरों में फ्रैक्चर होने की बात शिकायत में कही गई है।

दीपावली मेले में महिला उद्यमियों का सम्मान, आत्मनिर्भरता को मिला मंच



दीपावली मेले में मौजूद महिला उद्यमी आदि।

यूनिक समय, कोसीकलां। आर्य समाज धर्मशाला में अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन और अग्रवाल सभा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दीपावली मेले में महिला उद्यमियों को सम्मानित कर उनकी प्रतिभा और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित किया गया। मेले में खरीदारी के साथ महिलाओं के हुनर को पहचान देने की पहल आकर्षण का केंद्र रही। यहां लगे 20 स्टालों पर हस्तनिर्मित परिधान, दीपावली सजावट और खान-पान के उत्पादों के जरिए महिलाओं ने अपनी रचनात्मकता दिखाई।

मेले का शुभारंभ पालिकाध्यक्ष धर्मवीर अग्रवाल और अग्रवाल सभा अध्यक्ष संजीव अग्रवाल की पत्नी हेमलता अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान महिला उद्यमियों को मंच पर सम्मानित किया गया।

अग्रवाल सभा और अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की पहल 20 स्टालों पर दिखी महिलाओं की हुनरकारी

आयोजकों ने कहा कि महिलाओं को आगे बढ़ने के अवसर देना समाज की प्रगति के लिए जरूरी है। महिला सशक्त होगी तो परिवार और समाज भी मजबूत होगा। सम्मान समारोह के बाद डांडिया की धुन पर महिलाओं ने गरबा किया। रंग-बिरंगे परिधानों में सजी महिलाओं की प्रस्तुतियों से पंडाल उत्साह से भर उठा। कार्यक्रम में रूपल जैन, श्वेता जैन, खुशबू गोयल, खुशबू अग्रवाल, मोनिका गुप्ता, डॉ. मोनिका गुप्ता और अनुराधा अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में महिला सदस्य मौजूद रही।

विद्यालयों के नोडल शिक्षकों को दिया विधिक साक्षरता का प्रशिक्षण

यूनिक समय, मथुरा। बुधवार को उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के अनुपालन में जनपद न्यायाधीश-जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष विकास कुमार के निर्देशन में केंद्रीय कक्ष जनपद न्यायालय में लीगल लिटरेसी क्लब के नोडल शिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण अभियान के तहत जनपद के लगभग 70 शासकीय-अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों एवं शिक्षकों को नोडल शिक्षक के रूप में नामित किया गया है। ये शिक्षक विद्यालयों और जिला

विधिक सेवा प्राधिकरण के बीच कड़ी के रूप में कार्य करते हुए कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को संवैधानिक जागरूकता एवं विधिक साक्षरता की जानकारी देंगे।

विद्यार्थियों की सुरक्षा से जुड़े पॉक्सो एक्ट, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम तथा बाल श्रम उन्मूलन संबंधी कानूनी प्रावधानों पर भी चर्चा की गई। अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अनीता सिंह ने की। इसमें सिविल जज (जूडि) प्रत्यूष आनंद मिश्रा, अपर सिविल जज (जूडि) सोनल उपाध्याय, प्रियंका वर्मा उपस्थित रही।

पड़ोसी के घर में मारपीट, बीच-बचाव करने पर पीटा

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र के शारदापुर कॉलोनी में पड़ोसी के घर में हो रही मारपीट के दौरान बीच-बचाव करना एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। शिकायतकर्ता पीतम सिंह निवासी शारदापुर कॉलोनी, थाना हाईवे के अनुसार, 18 अक्टूबर को शाम उनके पड़ोसी सन्तू के घर में सन्तू की पत्नी नीरज अपनी सास राधा के साथ मारपीट और गाली-गलौज कर रही थी। शोर सुनकर पीतम सिंह बीच-बचाव करने पहुंचे। आरोप है कि इस दौरान नीरज ने उनके साथ भी मारपीट की और सिर में डंडा मार दिया, जिससे उनका सिर फट गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद थाना हाईवे पुलिस ने उन्हें जिला अस्पताल मथुरा में उपचार के लिए भर्ती कराया।

14 वर्षीय किशोर लापता, परिजनों ने दर्ज कराई रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र में 14 वर्षीय किशोर के लापता होने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, ललित अग्रवाल निवासी गोपालधाम, पालखेड़ा ने अपने भाई संदीप अग्रवाल के लापता होने की सूचना दी है। तहरीर में बताया गया है कि संदीप अग्रवाल, आरजी रोजवुड स्कूल, में कक्षा सात में पढ़ता है। 27 अक्टूबर को दोपहर वह स्कूल से घर आया था। इसके बाद दोपहर स्टेशन जाने की बात कहकर पालखेड़ा की ओर निकला, लेकिन वापस नहीं लौटा।

आर्मी एरिया में दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, दो घायल

यूनिक समय, मथुरा। आर्मी एरिया में चंदनवन जाने वाले मार्ग पर बुधवार दोपहर दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों बाइक सवार गंभीर घायल हो गए। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मार्ग पर तेज गति से आ रही दोनों बाइकों के बीच अचानक आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। वहां से गुजर रहे लोगों ने सड़क पर घायल पड़े दोनों युवकों को संभाला और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।



सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती के मौके पर मंचासीन भाजपा पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में भाजपा ओबीसी मोर्चा की महानगर-जिला इकाइयों की संयुक्त बैठक भाजपा जिला कार्यालय पुष्पांजलि पर आयोजित की गई। बैठक में सरदार पटेल के जीवन, राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान और सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नेत्रपाल सिंह चौधरी, महानगर उपाध्यक्ष संजय शर्मा, पूर्व महामंत्री हरिओम शर्मा, महानगर मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा, कपिल पटेल चंद्रवीर सोलंकी ने मां भारती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि नेत्रपाल सिंह ने कहा कि सरदार पटेल का जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पण, दृढ़

इच्छाशक्ति और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल है। उन्होंने स्वतंत्रता के बाद देशी रियासतों का एकीकरण कर भारत की एकता और अखंडता को मजबूत आधार दिया। संजय शर्मा ने कहा कि सरदार पटेल ने अपने कुशल नेतृत्व और दूरदर्शिता से देश को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया। मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा ने बताया कि 31 अक्टूबर को 'ऊंचे सरदार अभियान' के तहत सभी बूथों पर सरदार पटेल की जयंती मनाई जाएगी। इस अवसर पर कृष्ण मुगरी सैनी, कपिल पटेल, चंद्रवीर सोलंकी, प्रशांत यादव, गिरधारी लाल सिंह, हेमन्त वर्मा, रोहित राठौर, आकाश सोनी, अजय राजपूत, नंदलाल सैनी, राजेश प्रधान और गजेंद्र चौधरी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नकली डेंटल उत्पाद मरीजों की सुरक्षा के लिए खतरा



सीडीई कार्यक्रम में अतिथि वक्ताओं के साथ छात्र-छात्राएं।

यूनिक समय, मथुरा। नकली डेंटल उत्पाद मरीजों की सेहत के साथ खिलवाड़ कर सकते हैं। इनसे उपचार के परिणाम प्रभावित होने के साथ दंत चिकित्सकों की पेशेवर विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े हो सकते हैं। इसलिए दंत चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाली सामग्रियों की गुणवत्ता और प्रामाणिकता सुनिश्चित करना जरूरी है।

यह बात स्विट्जरलैंड के मेडमिक्स ग्रुप में बौद्धिक संपदा प्रबंधन के ग्लोबल हेड हंस-पीटर ब्रैक ने केडी डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में आयोजित कंटीन्यूइंग डेंटल एजुकेशन

(सीडीई) कार्यक्रम में कही। मेडमिक्स के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों को आधुनिक दंत चिकित्सा के महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी गई। पहले वैज्ञानिक सत्र में हंस-पीटर ब्रैक ने नकली डेंटल उत्पादों से जुड़े खतरों, उनकी पहचान और सुरक्षित सामग्री के चयन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बौद्धिक संपदा संरक्षण के साथ दंत चिकित्सकों की पेशेवर जिम्मेदारी को भी महत्वपूर्ण बताया। सत्र के अंत में उन्हें स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। दूसरे सत्र में डेंटल सर्जन-स्पेशल

केयर डेंटिस्ट्री विशेषज्ञ डॉ. संतोष रवींद्रन ने 'दांतों को सफेद करना-मिथक और तथ्य' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने दांतों की सफेदी को लेकर प्रचलित गलत धारणाओं और वैज्ञानिक तथ्यों के बीच अंतर स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षित उपचार के लिए अपनाना और मरीजों की उचित काउंसलिंग जरूरी है। मरीजों को उपचार की प्रक्रिया और संभावित परिणामों की स्पष्ट जानकारी देनी चाहिए।

सीडीई में नीलेश धर्माधिकारी, नमन सिंघला और शुभम गोस्वामी ने भी अनुभव साझा किए। केडी

दो साल से मलबे में दफन शिक्षा सरकारी स्कूलों पर लटके ताले

बल्देवगंज के दो प्राथमिक विद्यालय ध्वस्त होने के बाद नहीं बने भवन

शिक्षक भी नदारद, बीईओ की रिपोर्ट में खुली व्यवस्था की पोल

यूनिक समय, कोसीकलां। एक तरफ हर बच्चे को शिक्षा से जोड़ने के दावे हो रहे हैं, दूसरी तरफ कोसीकलां में गरीब बच्चों के स्कूल ही जमीन से गायब हो गए। नगर के घनी आबादी वाले बल्देवगंज क्षेत्र में दो प्राथमिक विद्यालयों के भवन ध्वस्त हुए दो साल बीत चुके हैं, लेकिन अब तक नए भवनों का निर्माण नहीं हुआ। न स्कूल की घंटी बजती है, न कक्षाएं लगती हैं। सरकारी दस्तावेजों में दर्ज इन विद्यालयों की जमीनी हकीकत यह है कि यहां न शिक्षक हैं और न विद्यार्थी। सवाल है कि जिन बच्चों के लिए सरकारी स्कूल ही



दो साल पहले ध्वस्त प्राथमिक विद्यालय बल्देव गंज का भवन

शिक्षा का एकमात्र सहारा हैं, वे आखिर पढ़ने जाएं तो कहां जाएं। मामला प्राथमिक विद्यालय बल्देवगंज और प्राथमिक विद्यालय तांगड़ा का है। वर्ष 2023-24 में जर्जर घोषित किए जाने के बाद दोनों विद्यालयों के भवन ध्वस्त करा दिए गए थे। उम्मीद थी कि जल्द नए भवन बनेंगे और बच्चों की पढ़ाई दोबारा शुरू होगी, लेकिन दो साल गुजरने के बाद भी इंतजार खत्म नहीं हुआ। भवनों के पुनर्निर्माण और शिक्षकों की तैनाती के अभाव में दोनों विद्यालयों में

छात्र संख्या शून्य हो गई। वार्ड संख्या 23 के सभासद टिकुर अग्रवाल ने बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने पर आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर खंड शिक्षा अधिकारी बुद्धसेन सिंह ने जांच कर आठ अगस्त को बीएसए को रिपोर्ट भेजी। रिपोर्ट में बताया गया कि दोनों विद्यालयों में एक भी शिक्षक या शिक्षामित्र तैनात नहीं है। नगर के अन्य पांच परिषदीय विद्यालय भी एकल शिक्षक के सहारे संचालित हो रहे हैं। ऐसे में इन दोनों

गरीब परिवारों के बच्चों के सामने पढ़ाई का संकट

बल्देवगंज की घनी आबादी में बड़ी संख्या में ऐसे परिवार रहते हैं, जिनकी आजीविका मजदूरी और छोटे-मोटे कामों पर निर्भर है। निजी स्कूलों की फीस वहन करना इनके लिए आसान नहीं है। ऐसे परिवारों के बच्चों के लिए सरकारी विद्यालय ही शिक्षा का प्रमुख सहारा हैं। दो स्कूलों के बंद होने से बच्चों की पढ़ाई के अवसर प्रभावित हुए हैं। खंड शिक्षा अधिकारी ने भी अपनी रिपोर्ट में क्षेत्र में परिषदीय विद्यालय की आवश्यकता स्वीकार करते हुए बीएसए से पुनर्निर्माण और शिक्षक तैनाती की मांग की है। अब निगाहें शिक्षा विभाग पर हैं कि रिपोर्ट पर कब कार्रवाई होती है और दोनों विद्यालयों में पढ़ाई दोबारा शुरू कराने का रास्ता कब साफ होता है।

स्कूलों में पढ़ाई शुरू कराने के लिए भवन निर्माण के साथ शिक्षकों की व्यवस्था भी जरूरी है।

राम रतन घर लौटे तो फूलों से पाट दी सड़क

नरी के दिव्यांग ने एशिया में फहराया तिरंगा

पैरा डिस्कस थ्रो में जीता रजत

यूनिक समय, कोसीकलां। हांसला हो तो पहाड़ भी गस्ता दे देते हैं। इस कहावत को सच कर दिखाया है ग्राम नरी के लाल राम रतन सिंह ने। एशियन पैरा गेम्स में पुरुषों की डिस्कस थ्रो स्पर्धा में 10.35 मीटर का शक्तिशाली थ्रो फेंककर रजत पदक (सिल्वर मेडल) जीतकर उन्होंने पूरे देश के साथ-साथ अपने गृह जनपद मथुरा का नाम रोशन कर दिया है। यह सिर्फ एक पदक नहीं है, यह उस जन्मे की जीत है जो शरीर की सीमाओं को तोड़कर इतिहास रचता है। जब एशिया विजेता राम रतन सिंह पहली बार अपना रजत पदक लेकर कोसी-कोटवन बॉर्डर पहुंचे, तो पूरा क्षेत्र झूम उठा। खुली जीप गेंदे के फूलों से पूरी तरह भर गई थी। सिर पर साफा, गले में फूल-मालाओं के बीच चमकता हुआ सिल्वर मेडल पहने राम रतन को देखकर हर आंख गर्व से नम थी। इस ऐतिहासिक स्वागत समारोह में क्षेत्र के भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश



रजत पदक जीतने वाले राम रतन को बांदी का मुकुट पहनाते नरदेव चौधरी।

मंत्री और कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी ने राम रतन सिंह का मेडल हाथ में लेकर उनका अभिनंदन करते हुए चांदी का मुकुट पहनाकर उन्हें बधाई दी। नरदेव चौधरी ने कहा कि राम रतन सिंह ने आज पूरे छाता क्षेत्र और ग्राम नरी का नाम पूरे एशिया में रोशन किया है। उनकी यह जीत मेहनत, दृढ़ संकल्प और अटूट हौसले की जीत है। अगर एक गांव का लड़का बिना संसाधना के एशिया में तिरंगा कर सकता है, तो आप भी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वह प्रशासन से मांग करेंगे कि राम रतन को उचित सम्मान और मदद मिले ताकि अगली बार यह सिल्वर गोल्ड में बदले। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने राम रतन को फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया।

वृंदावन में धूमधाम से निकली

प्रभु श्रीराम की बारात

आठ घंटे में तय किया चार किलोमीटर का सफर

यूनिक समय, वृंदावन। श्री रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित श्री रामलीला महोत्सव के पांचवें दिन प्रभु श्रीराम की भव्य बारात निकाली गई। नगरवासियों ने जगह-जगह आरती उतारकर, प्रसाद अर्पित कर और पुष्प वर्षा के साथ बारात का स्वागत किया। स्वागत की होड़ के चलते बारात को चार किलोमीटर का सफर तय करने में करीब आठ घंटे लगे।

मंगलवार को गोपीनाथ बाजार स्थित भागवत निवास से शाम पांच बजे शुरू हुई बारात पत्थरपुरा, रंगजी मंदिर, चुंगी चौराहा, अनाज मंडी, प्रताप बाजार, लोई बाजार, अठखंभा और बांके बिहारी बाजार सहित विभिन्न मार्गों से होते हुए रात एक बजे जनकपुरी पहुंची। बारात में राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न घोड़ों पर सवार होकर निकले। इसमें छह दर्जन से अधिक झांकियां,



विवाह लीला के दौरान मंच पर बैठे सीता और राम के स्वरूप।

10 रोड शो करने वाले कलाकार, विभिन्न शहरों के आठ बैंड और मां काली के पांच स्वरूप आकर्षण का केंद्र रहे। रंग जी मंदिर में प्रबंधन की ओर से भगवान को प्रसादी चंदन लगाया गया। जनकपुरी पहुंचने पर महिलाओं ने मंगल गीत गाए। विवाह परंपरा के तहत सीता जी और उनकी बहनों ने अपने वरों पर लड्डू फेंके। इसके बाद हंसी-ठिठोली के बीच वरमाला लीला का मंचन हुआ। महाआरती के साथ पांचवें दिन की लीला का समापन किया गया।

‘कलर्स ऑफ यूपी’ में कथक से साकार हुई ब्रज की भक्ति

महादेव-सती की गाथा से राधा-कृष्ण के प्रेम तक, नृत्य में दिखी सांस्कृतिक विरासत

शिवानी मिश्रा की प्रस्तुति ने दर्शकों को कराया आध्यात्मिक यात्रा का अनुभव

यूनिक समय, मथुरा। महादेव-सती की अमर गाथा, प्रभु श्रीराम की मर्यादा, मां विंध्यवासिनी की महिमा और राधा-कृष्ण के अलौकिक प्रेम के रंग जब कथक के भावों में ढले तो धौलीप्याऊ रेलवे ग्राउंड का मंच आध्यात्मिक चेतना से सराबोर हो उठा। कथक नृत्यांगना एवं कोरियोग्राफर शिवानी मिश्रा के निर्देशन में प्रस्तुत ‘कलर्स ऑफ यूपी’ में उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक परंपराओं को नृत्य-संगीत के माध्यम



ब्रजरज उत्सव में भावपूर्ण नृत्य की प्रस्तुति देती शिवानी मिश्रा और साथी।

से जीवंत किया गया। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित ब्रजरज उत्सव के अंतर्गत हुई प्रस्तुति की शुरुआत महादेव और माता सती की गाथा से हुई। नृत्य के जरिए प्रेम, त्याग और

समर्पण के भाव उकड़े गए। इसके बाद प्रभु श्रीराम की महिमा और अयोध्या की धार्मिक विरासत से जुड़े प्रसंगों ने मर्यादा, धर्म और आदर्शों का संदेश दिया। मां विंध्यवासिनी की आराधना ने शक्ति, श्रद्धा और भक्ति के भावों को मंच पर उतारा।

शिकायत के बाद स्कूल पर अधिकारियों का छापा, तत्काल बंद करने के मौखिक निर्देश

छात्राओं के शोषण और अनियमितताओं के आरोपों की जांच शुरू

यूनिक समय, नंदगांव। कस्बा के एक स्कूल में कथित शोषण और अनियमितताओं को लेकर विभिन्न स्तरों पर की गई शिकायतों के बाद बुधवार को जिला बाल संरक्षण-अधिकार अधिकारी और खंड शिक्षा अधिकारी ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्कूल खुला मिला और बच्चे पढ़ाई करते पाए गए। अधिकारियों ने संबंधित लोगों के बयान दर्ज किए और मामले की जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार, सीएम, डीएम और सीडीओ समेत कई अधिकारियों के समक्ष शिकायत की गई थी। इसके अलावा मुख्यमंत्री हेलपलाइन

और जनसुनवाई पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई गई थी। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्कूल को अग्रिम आदेश तक बंद रखने और जांच में पूरा सहयोग करने के मौखिक निर्देश दिए। अधिकारियों ने मामले की रिपोर्ट शासन को भेजने की बात भी कही। साथ ही पीड़ित को 31 अक्टूबर तक अंकपत्र और स्थानांतरण प्रमाणपत्र (टीसी) उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए उन्हें नजदीकी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) में पढ़ाई का विकल्प बताया। वहीं, अभिभावकों की इच्छा के अनुसार अन्य विद्यालय में प्रवेश दिलाने का भरोसा भी दिया गया। मामले में जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मंदिर की जमीन पर कब्जे का आरोप जुताई को लेकर आमने-सामने दो पक्ष



ओवा गांव में श्री ऐंच दाऊजी मंदिर की भूमि का विवाद गहराया

महंत ने प्रशासन से लगाई न्याय की गुहार

यूनिक समय, शेरगढ़। थाना क्षेत्र के ओवा गांव में श्री ऐंच दाऊजी मंदिर की जमीन पर जुताई को लेकर विवाद सामने आया है। मंदिर के महंत श्यामदास ने गांव के कुछ लोगों पर मंदिर की भूमि पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। महंत श्यामदास के अनुसार, गांव निवासी केवल, लक्ष्मीचंद पुत्र लटूर, रमेश, सरजीत और सुरेश के साथ जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। महंत का कहना है कि विवाद के मद्देनजर लेखपाल ने दोनों पक्षों को खेत की जुताई करने से मना

किया था। आरोप है कि इसके बावजूद दूसरे पक्ष ने अपने हिस्से की जमीन पर जुताई कर दी। महंत ने बताया कि इसके बाद उन्होंने खादर क्षेत्र के लेखपाल से बातचीत की। उनके अनुसार, लेखपाल रामकुमार ने उन्हें भी जुताई करने के लिए कहा। महंत का आरोप है कि जब उन्होंने खेत की जुताई के लिए ट्रैक्टर बुलाया तो दूसरे पक्ष के लोगों ने उन्हें ऐसा नहीं करने दिया। दूसरे पक्ष के सुरेश ने आरोपों को निराधार बताया है। ओवा खादर क्षेत्र के लेखपाल रामकुमार ने बताया कि संबंधित जमीन सर्वेक्षण प्रक्रिया के अधीन है। उनके अनुसार, खादर क्षेत्र का प्रमाणित नक्शा उपलब्ध नहीं है, जिसके आधार पर जमीन का स्पष्ट चिन्हांकन किया जा सके। ऐसे में जमीन की सीमाओं की स्थिति स्पष्ट होना जरूरी है। फिलहाल मंदिर की जमीन को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद बना हुआ है।

बिरजापुर के कौशल मेले में छात्राओं ने दिखाई हुनर की ताकत

मेहंदी से क्रोशिया, अचार पापड़ तक के स्टॉल बने आकर्षण

यूनिक समय, मथुरा। किताबों के ज्ञान के साथ हुनर की पाठशाला सजी तो छात्राओं की रचनात्मकता देखते ही बनी। किसी ने मेहंदी की बारीक कलाकारी दिखाई तो किसी ने क्रोशिया से वस्त्र बनाने का हुनर पेश किया। अचार-पापड़ के स्टॉल ने भी ध्यान खींचा। उच्च प्राथमिक विद्यालय (यूपीएस) बिरजापुर में बुधवार को आयोजित कौशल विकास मेले में छात्राओं ने अपनी प्रतिभा और आत्मनिर्भर बनने की क्षमता का प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप आयोजित मेले में घरेलू उत्पादों के निर्माण से लेकर हस्तकला तक की



बिरजापुर के कौशल मेले में छात्राओं की मेहंदी कला का अवलोकन करती बीएसए रतन कीर्ति। झलक देखने को मिली। छात्राओं ने ई-वेस्ट प्रबंधन के जरिए पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। बीएसए रतन कीर्ति ने छात्राओं की प्रस्तुतियों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियां बच्चों को अपनी रुचि और क्षमता पहचानने का अवसर देती हैं। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे भविष्य में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं।

रजवाह के पास मिले शव की हुई शिनाख्त

यूनिक समय, सुरीर। जैरैलिया-हसनपुर मार्ग पर मांट ब्रांच के रजवाह के निकट बरी के पेड़ के नीचे मिले अज्ञात युवक के शव की शिनाख्त हो गई है। मृतक की पहचान अलीगढ़ जिले के गोंडा थाना क्षेत्र के गांव बैलोठ निवासी अंकुर चौधरी के रूप में हुई है। पुलिस ने बीते दिन रजवाह के समीप पेड़ के नीचे से करीब 25 वर्षीय युवक का शव बरामद किया था। शिनाख्त नहीं होने पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया था। पुलिस के अनुसार, बाद में मृतक की पहचान अंकुर चौधरी के रूप में हुई।

सुविचार



बेटियों को पंख दो
सपनों का आकाश
स्वयं छोटा पड़
जाएगा।

कल का पंचांग

तिथि	तृतीया	04:07-01:07 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	रोहिणी	01:26-11:11 तक	माह	कार्तिक
सूर्योदय		6:28 AM	चन्द्रोदय	08:18 PM
सूर्यास्त		5:38 PM	चन्द्रास्त	09:47 AM
सूर्य राशि	तुला राशि		चंद्र	वृष राशि
शुभ मुहूर्त	11:41AM-12:26 PM		ब्रह्म मुहूर्त	04:45-05:37
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	01:27 PM-02:51 PM		वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन



ब्रज की सभी कथा और श्री
राधा कृष्ण की सभी लीलाओं
के दर्शन यूनिक समय चैनल
के माध्यम से करें।

Youtube Channel : <https://youtube.com/uniquesamay>

बादलों में छिप जाए करवा चौथ का चांद तो कैसे खुलेगा व्रत



यूनिक समय, मथुरा। करवा चौथ पर सुहागिन महिलाओं को चांद निकलने का बेसब्री से इंतजार रहता है। चंद्रमा के दर्शन, अर्घ्य और पति के हाथों जल ग्रहण करने के बाद व्रत खोलने की परंपरा है। लेकिन बारिश और आसमान में बादल छाए रहने के कारण चंद्रमा दिखाई न दे, तो महिलाओं के सामने व्रत के पारण को लेकर असमंजस की स्थिति बन जाती है। ऐसी परिस्थिति में घबराने

चंद्रोदय के समय के बाद भी दर्शन न हों तो अपनाएं पारिवारिक परंपरा

चंद्रमा की दिशा में अर्घ्य शिव पूजन और सेहत का रखें ध्यान

के बजाय स्थानीय चंद्रोदय समय की

जानकारी लेकर परिवार की धार्मिक परंपरा के अनुसार पूजा की जा सकती है।

चंद्रोदय का समय जानें: सबसे पहले अपने शहर में चंद्रमा निकलने का निर्धारित समय पता करें। कई बार चंद्रमा निकल चुका होता है, लेकिन बादलों के कारण दिखाई न देता। कुछ समय तक खुले स्थान से आसमान देखने का प्रयास कर सकती हैं।

चंद्रमा की दिशा में अर्घ्य दें: कुछ परिवारों में चंद्रमा के निर्धारित उदय समय के बाद उसकी दिशा में मुख करके जल अर्पित करने की परंपरा है। इस दौरान चंद्रदेव का स्मरण कर सुखी वैवाहिक जीवन की कामना की जाती है।

भगवान शिव का स्मरण करें: धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान शिव के मस्तक पर चंद्रमा विराजमान हैं। ऐसे में कुछ महिलाएं शिव की प्रतिमा या तस्वीर के सामने प्रार्थना करती हैं।

चंद्रमा के प्रतीक की पूजा करें: कुछ स्थानों पर चावल से चंद्रमा की आकृति बनाकर या चांदी के सिक्के को प्रतीक मानकर पूजा करने की परंपरा है।

परिवार के बुजुर्गों या पंडित से सलाह लें: अलग-अलग क्षेत्रों में पूजा आर पारण की विधियां भिन्न हो सकती हैं। इसलिए अपने परिवार की परंपरा के अनुसार उचित विधि अपनाएं।

चंद्रमा के दर्शन नहीं होने पर किसी एक वैकल्पिक विधि को सभी के लिए अनिवार्य नहीं माना जा सकता। स्थानीय धार्मिक परंपरा के अनुसार निर्णय लेना उचित है। व्रत के दौरान कमजोरी, चक्कर या अस्वस्थता महसूस होने पर स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें। गर्भवती महिलाएं, बीमार लोग और नियमित दवा लेने वाले लोग चिकित्सकीय सलाह का ध्यान रखें। श्रद्धा के साथ अपनी सेहत की सुरक्षा भी जरूरी है।



JAIGURUDEV MULTISPECIALITY HOSPITAL

मथुरा में सबसे कम दरों पर समस्त स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध

हमारी टीम के अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टर

डॉ. अनिल कुमार गौतम M.B.B.S., M.D., MEDICINE (CONSULTANT PHYSICIAN)	डॉ. दुर्गेश कुमार M.B.B.S., D.N.B., ORTHO-SUR. JOINT REPLACEMENT	डॉ. वी. के. पांडे M.B.B.S., M.S. Ortho
डॉ. संदीप गोवर्धन चौहान M.B.B.S., D.N.B., NEURO SURGEON	डॉ. इला अग्रवाल M.B.B.S., M.S. Ortho	डॉ. एकता थडानी M.B.B.S., DNB. (OBGY)
डॉ. सी. एम. मवार M.B.B.S. DVD. MIADVI	डॉ. नितेश ज़िंदल MBBS, MD, MEDICINE	डॉ. नरेश अग्रवाल M.B.B.S., D.C.H
डॉ. अर्पण मोर्य M.B.B.S., M.S. (SURGERY) F.M.A.S F.I.A.G.E.S GERASER SURGO &	डॉ. मनदीप यादव D.P.T B.P.T	डॉ. चेतना अग्रवाल B.D.S., MIDA
डॉ. हरि प्रसाद (B.H.M.S) CONSULTANT HOMOEOPATH	डॉ. एम. माहेश्वरी M.B.B.S. (MS) OPHTHALMOLOGY	आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ₹ 5 लाख तक का निःशुल्क उपचार आयुष्मान कार्ड धारकों का स्वागत है

आपातकालीन मो.नं. 7078877006
8650777901, 8953925593
Maholi Link Road, Mathura (U.P.)

संत ने राजा को दिया अनोखा आशीर्वाद, शत्रुओं की लंबी उम्र मांगी



यूनिक समय, मथुरा। एक लोक कथा के अनुसार, एक बार विद्वान संत राजा के दरबार में पहुंचे। राजा ने उनका सम्मान किया तो संत ने आशीर्वाद दिया, "राजन, आपके शत्रु चिरंजीवी हों।" यह सुनकर राजा हैरान रह गया। उसने पूछा कि शत्रुओं की लंबी उम्र की कामना आखिर क्यों की गई?

संत ने समझाया कि शत्रुओं और चुनौतियों की मौजूदगी व्यक्ति को सतर्क रखती है। वह अपनी कमजोरियों को पहचानता है, नीतियों में सुधार करता है और सोच-समझकर निर्णय लेता है। यदि सभी विरोध समाप्त हो जाएं, तो सफलता के बाद लापरवाही बढ़ सकती है। संत की बात राजा को समझ आ गई। **समस्या का कारण समझें:** परेशानी आने पर घबराने के बजाय शांत मन

विरोध और चुनौतियां इंसान को सतर्क रहना सिखाती हैं

सात जीवन सूत्र अपनाकर कमियों को सुधारने का मिलेगा अवसर

से उसका कारण खोजें। **गलतियों से सीखें:** अपनी भूल स्वीकार करें और उसे दोहराने से बचें। **आलोचना पर विचार करें:** सही सुझाव अपनाकर खुद को बेहतर बनाएं।

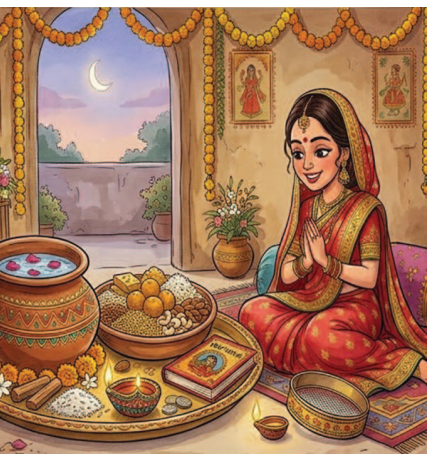
धैर्य बनाए रखें: कठिन समय में जल्दबाजी से बचें और सोचकर निर्णय लें।

लगातार सीखते रहें: ज्ञान बढ़ाएं और अपनी कमजोरियों को दूर करने का प्रयास करें।

समाधान खोजें: समस्या पर अटकने के बजाय छोटे-छोटे कदमों से रास्ता निकालें।

सफलता में सतर्क रहें: उपलब्धियों के बाद भी मेहनत जारी रखें और भविष्य की तैयारी करते रहें।

करवा चौथ पर करवा पूजन की तैयारी, इन सामग्रियों से करें पूजा



यूनिक समय, मथुरा। करवा चौथ का पर्व 29 अक्टूबर, गुरुवार को मनाया जाएगा। इस दिन सुहागिन महिलाएं पति की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के साथ व्रत रखेंगी। व्रत में करवा पूजन और चंद्रमा को अर्घ्य देने का विशेष महत्व है। मान्यता है कि चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद ही व्रत का पारण किया जाता है। ऐसे में पूजा की तैयारी के साथ करवा में रखी जाने वाली सामग्री का भी विशेष ध्यान रखा जाता है।

पूजन के लिए मिट्टी के करवा में स्वच्छ जल भरें। इसमें परंपरा के अनुसार थोड़ा गंगाजल, अक्षत, सफेद चंदन और सफेद फूल डाल सकते हैं। कुछ परिवारों में कच्चा दूध भी मिलाने की परंपरा है। इसी करवा से चंद्रमा को अर्घ्य दिया जाता है।

कुछ स्थानों पर पूजा में दूसरा करवा भी रखा जाता है,

29 अक्टूबर को रखा जाएगा व्रत चंद्रमा को अर्घ्य देकर होगा पारण

जल, अक्षत, चंदन से सजेगा करवा, दूसरे करवा में रखेंगे अनाज और मिठाई

जिसे फेरने की परंपरा है। इसमें गेहूं, चावल, जौ, चना, खील-बताशे, मखाने, मेवे, गुड़, मिठाई या सिक्का रखा जाता है। कुछ परिवारों में पूरी और आटे के लड्डू भी रखे जाते हैं, जिन्हें पूजा के बाद प्रसाद के रूप में बांटा जाता है। करवा पूजन की विधि अलग-अलग क्षेत्रों में भिन्न हो सकती है, इसलिए सामग्री तैयार करते समय अपने परिवार की परंपरा का ध्यान रखें।

राधाकुंड में एक नवंबर को स्नान को उमड़ेगी श्रद्धालुओं की भीड़

यूनिक समय, गोवर्धन। कार्तिक कृष्ण पक्ष की अष्टमी अर्थात् अहोई अष्टमी पर एक नवंबर को गोवर्धन स्थित राधाकुंड में पावन स्नान होगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस अवसर पर निःसंतान दंपती संतान सुख की कामना लेकर राधाकुंड में स्नान करते हैं। इसी मान्यता के चलते देश के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। राधाकुंड में दिन के बजाय रात्रि में स्नान करने की परंपरा है। इस कारण अहोई अष्टमी की रात यहां विशेष धार्मिक गतिविधियां देखने को मिलेंगी।

पंचांग के अनुसार, कार्तिक कृष्ण अष्टमी तिथि एक नवंबर को दोपहर 2 बजकर 51 मिनट से आरंभ होकर दो नवंबर को दोपहर 1 बजकर 10 मिनट तक रहेगी। राधाकुंड स्नान का विशेष मुहूर्त एक नवंबर की रात 11 बजकर



37 मिनट से दो नवंबर की रात 12 बजकर 29 मिनट तक बताया गया है। इस प्रकार स्नान के

लिए 52 मिनट का समय निर्धारित है। यह स्नान निशीथ काल में किया जाता है।

अहोई अष्टमी पर संतान सुख की कामना से स्नान करेंगे दंपति

रात 11:37 से 12:29 बजे तक रहेगा स्नान का शुभ मुहूर्त

धार्मिक मान्यता के अनुसार, राधाकुंड में स्नान करने से राधारानी की कृपा प्राप्त होती है। संतान सुख की कामना करने वाले दंपति श्रद्धापूर्वक स्नान कर परिवार की सुख-समृद्धि की प्रार्थना करते हैं। परंपरा के अनुसार, कुछ श्रद्धालु कुम्हड़ा और सफेद पेटा लाल वस्त्र में रखकर राधारानी को अर्पित करते हैं। मनोकामना

पूरी होने पर दोबारा स्नान कर आभार व्यक्त करने की परंपरा भी प्रचलित है। धार्मिक कथा के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने अरिष्टासुर का वध किया था। इसके बाद राधारानी ने उनसे तीर्थ स्नान करने को कहा। मान्यता है कि श्रीकृष्ण ने अपनी बांसुरी से श्यामकुंड का निर्माण किया, जबकि राधारानी ने अपने कंगन से राधाकुंड बनाया। श्रीकृष्ण ने राधाकुंड की महिमा स्वीकार करते हुए इसे अत्यंत पवित्र बताया। तभी से यह स्थान ब्रज के प्रमुख तीर्थों में शामिल है।

अहोई अष्टमी पर राधाकुंड में स्नान और दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। श्रद्धालुओं से स्नान के दौरान सुरक्षा निर्देशों का पालन करने तथा कुंड की स्वच्छता बनाए रखने की अपील की गई है।

सम्पादकीय

चमकते मकान, दम तोड़ती सुविधाएं, विकास का कैसा वास्तुशिल्प

मकान बनाना आजकल हुनर से ज्यादा दिखावे का मामला हो गया है। ऊंची दीवारें, महंगे टाइल्स, चमचमाते दरवाजे और विदेशी डिजाइन देखकर लोग वाह-वाह करते नहीं थकते। मगर जब घर में रहना शुरू होता है, तब पता चलता है कि सुंदरता के नाम पर सुविधा की बलि चढ़ा दी गई। रसोई ऐसी कि काम करने वाले के पसीने छूट जाएं, बाथरूम ऐसा कि सफाई चुनौती बन जाए और खिड़कियां ऐसी कि हवा आने से पहले पड़ोसी की नजर पहुंच जाए। यानी मकान बन गया, मगर घर बनने की बुनियादी शर्तें ही अधूरी रह गईं।



पवन गौतम
संपादक

विडंबना देखिए, नक्शा बनाने वाले इंजीनियर और आर्किटेक्ट सेंटीमीटर तक का हिसाब रखते हैं, लेकिन घर में रहने वालों की रोजमर्रा की जरूरतों का हिसाब कई बार भूल जाते हैं। उनकी नजर में सुंदरता का मतलब महंगी सजावट और आधुनिक डिजाइन है।

गृहस्थी चलाने वालों के लिए सुंदरता का अर्थ है सुविधा, सुरक्षा, रोशनी, हवा और सुकून। मगर बाजार के इस दौर में सुकून बिकता नहीं, इसलिए उसकी कीमत भी डिजाइन की सूची में अक्सर दर्ज नहीं होती।

भगवान विश्वकर्मा को निर्माण और शिल्प का देवता माना जाता है। महाभारत में वर्णित इंद्रप्रस्थ का निर्माण दूरदर्शिता और अद्भुत स्थापत्य का उदाहरण है। उनसे सीखने की जरूरत आज के निर्माणकर्ताओं को भी है। निर्माण केवल दीवारें खड़ी करने का नाम नहीं, बल्कि लोगों के जीवन को सहज बनाने की जिम्मेदारी भी है। भवन की असली सफलता उसके उद्घाटन में बजने वाली तालियों से नहीं, उसमें रहने वालों की संतुष्टि से तय होनी चाहिए। मथुरा—वृंदावन जैसे तेजी से फैलते शहरों में यह सवाल और महत्वपूर्ण है। बहुमंजिला इमारतें, कॉलोनियां और व्यावसायिक परिसर बन रहे हैं, लेकिन क्या हर जगह पर्याप्त पार्किंग, जल निकासी, हवा, रोशनी और सुरक्षित रास्तों का ध्यान रखा जा रहा है? बरसात में जलभराव, संकरी गलियां और अव्यवस्थित पार्किंग विकास के चमकदार दावों पर सवाल खड़े करती हैं। इमारतें खड़ी हो जाती हैं, मगर नागरिक सुविधाएं पीछे रह जाती हैं। निर्माणकर्ता मुनाफा कमाएं, इसमें किसी को आपत्ति नहीं। लेकिन मुनाफे की दीवार इतनी ऊंची भी न हो कि इंसान की जरूरतें उसके पीछे दब जाएं। आखिर घर कोई प्रदर्शनी नहीं, जहां लोग केवल तारीफ करने आएंगे। वह जीवन का ठिकाना है, जहां परिवार को चैन से रहना है। विश्वकर्मा की सीख साफ है—निर्माण ऐसा हो, जो आंखों को अच्छे लगे और जिंदगी को आसान बनाए। वरना चमकदार मकान बनते रहेंगे, मगर उनमें रहने वाले सुविधा की तलाश में भटकते रहेंगे। विकास का असली वास्तुशिल्प वही है, जहां इमारत से पहले इंसान की जरूरतों का नक्शा तैयार हो।



संपादकीय सुनने के लिए
मोबाइल से QR कोड
को स्कैन करें।

विचार विंडो

राम प्रकाश वर्मा

डॉक्टर बनने का सपना हो या सरकारी अधिकारी बनने की चाह, उत्तर प्रदेश के हजारों युवा बेहतर भविष्य की उम्मीद लेकर घर छोड़ते हैं। किसान पिता खेतों में पसीना बहाकर बच्चों को पढ़ने भेजते हैं, परिवार अपनी जरूरतें काटकर फीस जुटाता है और उम्मीद करता है कि एक दिन गरीबी का अंधेरा दूर होगा। लेकिन प्रयागराज से सामने आई एक जांच ने इस सपने के पीछे छिपी आर्थिक मजबूरी की चिंताजनक तस्वीर पेश की है। रिपोर्ट के अनुसार, कुछ छात्र कोचिंग, हॉस्टल और मेस का खर्च जुटाने के लिए पैसे लेकर रक्त देने को मजबूर होने का दावा कर रहे हैं।

सवाल यह है कि जिस उम्र में युवाओं के हाथों में किताबें होनी चाहिए, उस उम्र में उन्हें अपनी आर्थिक मजबूरी का समाधान शरीर से जुड़े जोखिमों में क्यों तलाशना पड़ रहा है? क्या शिक्षा के सपने अब इतने महंगे हो गए हैं कि गरीब परिवारों के बच्चों को उनकी कीमत अपनी सेहत से चुकानी पड़े?

प्रयागराज प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के प्रमुख केंद्रों में गिना जाता है। यहां नीट और कर्मचारी चयन आयोग जैसी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थी बड़ी संख्या में आते हैं। निजी कोचिंग की सालाना फीस, कमरे का किराया, भोजन और अध्ययन सामग्री का खर्च कमजोर आर्थिक स्थिति वाले परिवारों के लिए भारी पड़ सकता है। जांच में बातचीत के दौरान एक छात्र ने बताया कि दो महीने से हॉस्टल की फीस नहीं दे पाने के कारण वह रक्त

यूरोप में योगी मॉडल की गूंज, क्या सख्ती से बदलेगी कानून व्यवस्था

बोध प्रकाश सगुणी

यूरोप में कानून—व्यवस्था, हिंसक प्रदर्शनों और संगठित अपराध को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शासन—शैली पर चर्चा एक दिलचस्प राजनीतिक विषय बन गई है। सवाल उठ रहा है कि क्या उत्तर प्रदेश में अपनाए गए सख्त प्रशासनिक तौर—तरीके यूरोपीय देशों के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं? इटली की प्रधानमंत्री जोर्जिया मेलेनी की सख्त कानून—व्यवस्था संबंधी राजनीति और फ्रांस में सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर होने वाली बहसों के बीच इस विषय ने नई चर्चा को जन्म दिया है। लेकिन किसी मॉडल की लोकप्रियता और उसकी वास्तविक सफलता में अंतर समझना जरूरी है।

कानून—व्यवस्था किसी भी सरकार की पहली जिम्मेदारियों में शामिल है। नागरिक सुरक्षित रहें, कारोबार बिना भय चले, सार्वजनिक परिवहन बाधित न हो और हिंसा करने वालों को कानून के अनुसार सजा मिले, यह अपेक्षा हर लोकतंत्र में होती है। समस्या तब पैदा होती है, जब सख्ती को ही सुशासन का पर्याय मान लिया जाता है और न्यायिक प्रक्रिया को पीछे छोड़ दिया जाता है।

उत्तर प्रदेश में योगी सरकार की कार्यशैली को पुलिस कार्रवाई, संगठित अपराध के खिलाफ अभियान, प्रशासनिक सक्रियता और अवैध अतिक्रमण हटाने जैसी कार्रवाइयों से जोड़कर देखा जाता है। समर्थकों का मानना है कि कठोर रख से अपराधियों पर दबाव बढ़ता है और प्रशासन की सक्रियता का संदेश जाता है। वहीं आलोचक पुलिस कार्रवाई की निष्पक्षता, नागरिक अधिकारों और कानूनी प्रक्रियाओं के पालन पर सवाल उठाते हैं।

इन दोनों पक्षों के बीच असली कसौटी परिणाम है। अपराध के मामलों में कितनी कमी आई? कितने मामलों में आरोप साबित हुए? जांच और अभियोजन की गुणवत्ता कितनी बेहतर हुई? निर्दोष लोगों को गलत कार्रवाई से बचाने के लिए क्या व्यवस्था है? इन सवालों के जवाब स्वतंत्र आंकड़ों से मिलने चाहिए।

केवल बड़ी कार्रवाई की खबरें देखकर किसी शासन मॉडल को सफल घोषित करना वैसा ही है, जैसे अस्पताल की चमकती इमारत देखकर मरीजों के स्वस्थ होने का प्रमाणपत्र जारी कर देना। सुशासन का मूल्यांकन परिणामों से होना चाहिए, प्रचार से नहीं।

फ्रांस में हिंसक प्रदर्शनों और इटली में सार्वजनिक सुरक्षा तथा प्रवासन को लेकर राजनीतिक बहसों ने कानून—व्यवस्था को महत्वपूर्ण मुद्दा बनाया है। जब हिंसा



से दुकानें, सार्वजनिक परिवहन और नागरिक सुविधाएं प्रभावित होती हैं, तब सरकारों पर प्रभावी कार्रवाई का दबाव बढ़ता है। ऐसे में पुलिस और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय, साक्ष्य आधारित जांच और समयबद्ध न्यायिक प्रक्रिया जैसे उपाय उपयोगी हो सकते हैं।

भारत के विभिन्न राज्यों के प्रशासनिक अनुभव अंतरराष्ट्रीय चर्चा में जगह बना सकते हैं। उत्तर प्रदेश में इस्तेमाल किए गए किसी विशेष उपाय से यदि अपराध नियंत्रण या पुलिस—प्रशासन के तालमेल में मापने योग्य सुधार साबित होता है, तो दूसरे देश उसकी उपयोगिता पर विचार कर सकते हैं। लेकिन यूरोप की राजनीतिक और कानूनी व्यवस्थाएं भारत से अलग हैं। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि यूरोपीय देशों ने योगी मॉडल को पूरी तरह अपना लिया है। किसी नीति पर चर्चा होना और उसे आधिकारिक तौर पर लागू करना दो अलग बातें हैं। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में दावों से अधिक महत्व ठोस प्रमाणों का होता है।

योगी मॉडल की चर्चा में बुलडोजर कार्रवाई सबसे विवादास्पद पहलुओं में शामिल है। अवैध निर्माण हटाना प्रशासन की वैधानिक जिम्मेदारी हो सकती है, लेकिन किसी आपराधिक मामले में आरोपी होने के कारण किसी व्यक्ति की संपत्ति गिरा देना अलग विषय है। अपराध का निर्धारण अदालत करती है, प्रशासनिक कार्रवाई को सजा का विकल्प नहीं बनाया जा सकता।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 13 नवंबर 2024 को बुलडोजर कार्रवाई से जुड़े फैसले में स्पष्ट किया था कि केवल आरोपी होने के आधार पर किसी की संपत्ति ध्वस्त नहीं की जा सकती। उचित कानूनी प्रक्रिया, नोटिस और सुनवाई का पालन आवश्यक है।

यूरोप में भी ऐसी किसी नीति को अपनाने के लिए संपत्ति अधिकारों, निष्पक्ष सुनवाई और न्यायिक समीक्षा से जुड़े नियमों का पालन करना होगा। आखिर सरकार की ताकत इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि वह कितनी तेजी से किसी का घर गिरा सकती है, बल्कि इस

बात से तय होनी चाहिए कि वह गलत कार्रवाई को कैसे रोकती है। कठोर कार्रवाई के समर्थक कभी—कभी मानवाधिकार संबंधी चिंताओं को अपराधियों के पक्ष में खड़ा होना बताते हैं। यह तर्क अधूरा है। मानवाधिकार अपराध को संरक्षण देने के लिए नहीं, बल्कि राज्य की शक्ति को कानून की सीमा में रखने के लिए है।

हर प्रदर्शन हिंसक नहीं होता और भीड़ में शामिल प्रत्येक व्यक्ति अपराधी नहीं होता। शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों और हिंसा करने वालों के बीच अंतर करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। पुलिस को हिंसा रोकने का अधिकार है, लेकिन बल प्रयोग आवश्यक और आनुपातिक होना चाहिए। गलत कार्रवाई की स्वतंत्र जांच और अधिकारियों की जवाबदेही भी जरूरी है।

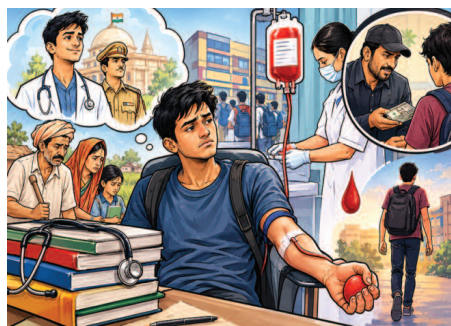
यही लोकतंत्र की असली परीक्षा है। सरकार अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करे, लेकिन निर्दोष नागरिकों को परेशान करने की कीमत पर नहीं। कानून की विश्वसनीयता तभी कायम रहती है, जब उसका पालन आम नागरिक और सत्ता में बैठे व्यक्ति, दोनों के लिए समान हो। यदि उत्तर प्रदेश की विशिष्ट प्रशासनिक नीतियां स्वतंत्र मूल्यांकन में प्रभावी साबित होती हैं, तो भारत उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रस्तुत कर सकता है। पुलिस प्रशिक्षण, साइबर अपराध से मुकाबला, संगठित अपराध की जांच और प्रशासनिक समन्वय जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं बन सकती हैं। इससे भारत के प्रशासनिक अनुभवों को वैश्विक स्तर पर पहचान मिल सकती है।

हालांकि, किसी भारतीय नीति की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए यूरोप द्वारा उसे अपनाने का दावा करना आवश्यक नहीं है। वास्तविक प्रतिष्ठा तब बढ़ेगी, जब नीतियों के सकारात्मक परिणाम प्रमाणित हों और दूसरे देश उनसे व्यावहारिक सीख लेने में रुचि दिखाएं।

अंततः यूरोप को योगी मॉडल के नाम पर किसी तैयार राजनीतिक पैकेज की जरूरत नहीं, बल्कि प्रभावी और जवाबदेह प्रशासन की जरूरत है। अपराध पर सख्ती हो, लेकिन कानून के भीतर, पुलिस सक्रिय हो, लेकिन जवाबदेह भी, सरकार मजबूत हो, लेकिन नागरिक अधिकारों से ऊपर नहीं।

क्योंकि सुशासन का उद्देश्य जनता में भय पैदा करना नहीं, भय दूर करना है। बुलडोजर की गति या कार्रवाई की कठोरता से ज्यादा महत्वपूर्ण न्याय की विश्व सनीयता है। भारत हो या यूरोप, लोकतंत्र की असली जीत तभी होगी, जब नागरिक सुरक्षित भी रहें और उन्हें निष्पक्ष न्याय मिलने का भरोसा भी कायम रहे।

पढ़ाई के लिए खून बेचने को मजबूर छात्र, व्यवस्था बेखबर



देने के लिए पहुंचा। दूसरे छात्र ने कोचिंग और मेस का खर्च निकालने की मजबूरी बताई। नीट की तैयारी कर रहे एक अन्य विद्यार्थी के मुताबिक, उसे पढ़ाने के लिए उसके पिता ने खेत गिरवी रख दिया है।

इन दावों के पीछे छिपा दर्द किसी एक शहर या परीक्षा तक सीमित नहीं है। छोटे कस्बों और गांवों से आने वाले विद्यार्थियों पर परिवार की उम्मीदों का दबाव भी होता है। उन्हें लगता है कि यदि तैयारी बीच में छूट गई, तो वर्षों की मेहनत और परिवार का त्याग बेकार हो जाएगा।

जांच में कुछ कथित बिचौलियों द्वारा विद्यार्थियों और जरूरतमंद मरीजों के बीच संपर्क कराने तथा रकम के बदले रक्त उपलब्ध कराने के दावे सामने आए। एक कथित दलाल ने कमीशन लेने और फर्जी दस्तावेजों की व्यवस्था करने की बात भी कही।

यदि जांच में ये दावे सही साबित होते हैं, तो यह केवल आर्थिक तंगी का मामला नहीं, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था

की निगरानी और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण की गंभीर चुनौती है। जरूरतमंद छात्रों की मजबूरी का फायदा उठाकर कमाई करने वालों के खिलाफ साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई होनी चाहिए।

हालांकि, किसी ब्लड बैंक या उसके कर्मचारियों की संलिप्तता का निष्कर्ष बिना स्वतंत्र जांच के नहीं निकाला जा सकता। प्रशासन को कथित नेटवर्क, दस्तावेजों और लेनदेन की जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना जैसी पहल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायता देने के उद्देश्य से चलाई जाती है। इसके बावजूद यदि जरूरतमंद विद्यार्थी महंगी कोचिंग और रहने—खाने के खर्च से जूझ रहे हैं, तो यह देखना जरूरी है कि सरकारी सहायता उन तक कितनी प्रभावी ढंग से पहुंच रही है।

क्या विद्यार्थियों को योजनाओं की पर्याप्त जानकारी है? क्या पात्रता की शर्तें कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए व्यावहारिक हैं? क्या जरूरतमंद छात्रों को फीस, भोजन और आवास के लिए समय पर सहायता मिलती है? इन सवालों पर गंभीरता से विचार होना चाहिए।

सरकार और शैक्षणिक संस्थानों को आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति, फीस में छूट, किस्तों में भुगतान और सस्ती आवासीय सुविधाओं का विस्तार करना चाहिए। जरूरत पड़ने पर विद्यार्थियों के लिए आपातकालीन सहायता व्यवस्था भी बनाई जा सकती है। रक्तदान जीवन बचाने का माध्यम है, लेकिन पैसे के बदले

रक्त उपलब्ध कराने की व्यवस्था स्वास्थ्य और कानूनी, दोनों दृष्टियों से गंभीर चिंता पैदा करती है। रक्त देने के लिए चिकित्सकीय जांच और निर्धारित अंतराल का पालन आवश्यक है। आर्थिक दबाव में बार—बार रक्त देने की कोशिश स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए विद्यार्थियों को दोषी ठहराने के बजाय उनकी मजबूरी को समझना जरूरी है। प्रशासन को कथित अवैध खरीद—फरोख्त की जांच करनी चाहिए, वहीं स्वास्थ्य विभाग को रक्त केंद्रों की निगरानी और नियमों के पालन को सुनिश्चित करना चाहिए।

विकास का अर्थ केवल सड़कें, इमारतें और बड़े—बड़े दावे नहीं हैं। विकास तब सार्थक होता है, जब गांव के गरीब परिवार का बच्चा भी बिना असहनीय आर्थिक दबाव के पढ़ सके। यदि विद्यार्थी पढ़ाई जारी रखने के लिए अपनी सेहत जोखिम में डालने की बात कह रहे हैं, तो यह शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा तंत्र के लिए चेतावनी है। सरकार को इस मामले की निष्पक्ष जांच के साथ जरूरतमंद विद्यार्थियों की पहचान कर उनकी सहायता सुनिश्चित करनी चाहिए। कोचिंग संस्थानों को भी आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए राहत के विकल्प तलाशने चाहिए।

आखिरकार, देश को डॉक्टर और अधिकारी बनने का सपना देखने वाले युवाओं की जरूरत है, न कि ऐसे हालात की, जिनमें उन्हें शिक्षा और स्वास्थ्य के बीच चुनाव करना पड़े। खून जीवन बचाने के लिए है, पढ़ाई की फीस चुकाने के लिए नहीं।

अभिषेक शर्मा की तूफानी पारी के फैन हुए पिता, बोले-यह अविश्वसनीय है

न्यूजीलैंड के खिलाफ 38 गेंदों में ठोके 113 रन, 35 गेंदों में शतक जड़कर बनाया बड़ा रिकॉर्ड

पिता राजकुमार ने दिया खास बयान

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय टीम के विस्फोटक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से क्रिकेट जगत में तहलका मचा दिया। उन्होंने महज 38 गेंदों में 113 रन की नाबाद पारी खेली।

इस दौरान उन्होंने 35 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो टी20 इंटरनेशनल में भारत के लिए दूसरा



सबसे तेज शतक है। अभिषेक की इस ऐतिहासिक पारी को देखकर उनके पिता राजकुमार शर्मा भी उनके फैन हो गए हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, राजकुमार शर्मा ने बेटे की तारीफ करते हुए कहा कि अभिषेक ने न्यूजीलैंड में बेहद शानदार पारी खेली और विश्व रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने



इस सफलता का श्रेय अमृतसर के लोगों के प्यार और आशीर्वाद को दिया।

राजकुमार ने बताया कि उन्होंने बचपन में अभिषेक को कोचिंग दी थी, लेकिन अब उन्हें युवराज सिंह, राहुल द्रविड़ और ब्रायन लारा जैसे दिग्गजों से मार्गदर्शन मिला है।

फिलहाल भारतीय टीम में गौतम गंभीर भी उनका मार्गदर्शन कर रहे हैं। मुकाबले में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 198 रन बनाए और भारत को 199 रनों का लक्ष्य दिया।

जवाब में अभिषेक शर्मा और युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने विस्फोटक शुरुआत की। पावरप्ले में ही भारत का स्कोर 118 रन पहुंच गया। वैभव ने 19 गेंदों में 45 रन बनाए, जबकि अभिषेक ने 11 छक्कों और शानदार चौकों की मदद से मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। भारत ने यह मुकाबला छह विकेट से जीत लिया। अभिषेक ने 2026 में अब तक 85 अंतरराष्ट्रीय छक्के लगाकर भी नया रिकॉर्ड बनाया है। इससे पहले रोहित शर्मा ने 2023 में 80 छक्के लगाए थे।

वैभव सूर्यवंशी या संजू सैमसन किस पर गिरेगी गाज

ईशान किशन की वापसी से बदलेगा टीम इंडिया का समीकरण

न्यूजीलैंड का क्लीन स्वीप करने उतरेगी भारतीय टीम

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही टी20 सीरीज में टीम इंडिया ने शुरुआती तीनों मुकाबले जीतकर सीरीज अपने नाम कर ली है। अब भारतीय टीम की नजर बाकी दो मैच जीतकर न्यूजीलैंड का सुपड़ा साफ करने पर होगी। हालांकि, अगले मुकाबले से पहले प्लेइंग इलेवन में बदलाव की संभावना है। ईशान किशन की वापसी होने पर वैभव सूर्यवंशी या संजू सैमसन में से किसी एक को बाहर बैठना पड़ सकता है। वैभव सूर्यवंशी को सीरीज के दूसरे मैच में मौका मिला था, लेकिन वह केवल चार रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद तीसरे



मुकाबले में ओपनिंग करते हुए उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की और महज 19 गेंदों पर 45 रन ठोक दिए। उनकी पारी में चार चौके और चार छक्के शामिल रहे। दूसरी ओर, संजू सैमसन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए केवल 18 रन बना सके। ईशान किशन फिलहाल चोट के कारण टीम से बाहर हैं। उनकी फिटनेस पर आधिकारिक अपडेट का इंतजार है। अगर वह अगले मैच तक फिट हो जाते हैं, तो कप्तान श्रेयस अय्यर को प्लेइंग इलेवन में बदलाव का फैसला लेना होगा। संजू का पिछला प्रदर्शन और वैभव की विस्फोटक बल्लेबाजी चयन को दिलचस्प बना सकती है।

‘मेरे लिए कोई गॉडफादर नहीं था’ सारा अली खान का बड़ा बयान

सैफ अली खान ने फिल्मों के लिए नहीं की सिफारिश

नेपोटिज्म पर बोली अभिनेत्री परिवार में जन्म लेना हमारी गलती नहीं

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान इन दिनों अपनी फिल्म ‘उड़ता तीर’ को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने नेपोटिज्म, अपने करियर और परिवार को लेकर खुलकर बात की। सारा ने स्वीकार किया कि फिल्मी परिवार से होने के कारण उन्हें इंडस्ट्री में मौके और पहचान मिली, लेकिन उनका मानना है कि इससे उनकी मेहनत को कम करके नहीं आंकना चाहिए। फिल्मफेयर को दिए इंटरव्यू में सारा ने कहा कि उन्होंने, जाह्नवी कपूर और अनन्या पांडे ने यह तय नहीं किया था कि उनका जन्म किस परिवार में होगा। इसलिए उन्हें इस बात के लिए दोषी ठहराना सही नहीं है। हालांकि, उन्होंने माना कि स्टार किड्स को फिल्मों में



डेब्यू करने के बेहतर अवसर मिलते हैं। सारा ने अपने पिता सैफ अली खान को लेकर कहा कि उन्होंने फिल्मों में काम दिलाने के लिए निर्माताओं से सिफारिश नहीं की। अभिनेत्री के मुताबिक, फिल्म ‘केदारनाथ’ के दौरान आई परेशानी को भी उन्होंने खुद संभाला था। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में उनका कोई गॉडफादर नहीं रहा और उन्हें अपनी समस्याओं का सामना खुद करना पड़ा। सारा ने 2018 में फिल्म ‘केदारनाथ’ से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद वह ‘सिंबा’, ‘अतरंगी रे’ और ‘जरा हटके जरा बचके’ जैसी फिल्मों में नजर आईं।

लॉस एंजलिस में गुंजे ‘जय श्री राम’ के नारे, छाई ‘रामायण’ की टीम

रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश की शानदार एंट्री ने खीचा ध्यान

4000 करोड़ के बजट वाली फिल्म की हुई खास स्क्रीनिंग

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म ‘रामायण: राइज ऑफ ए लीजेंड’ को लेकर दर्शकों का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। मंगलवार, 27 अक्टूबर को अमेरिका के लॉस एंजलिस स्थित एकेडमी म्यूजियम ऑफ मोशन पिक्चर्स में फिल्म की खास 3डी स्क्रीनिंग आयोजित की गई। इस दौरान रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश, निर्देशक नितेश तिवारी और निर्माता नमित मल्होत्रा मौजूद रहे। सितारों की एंट्री के दौरान प्रशंसकों ने ‘जय श्री राम’ के नारे लगाए, जिससे कार्यक्रम का माहौल खास बन गया। इस आयोजन में रणबीर कपूर सिल्वर रंग के बंदगला आउटफिट में नजर आए। वहीं, माता सीता की



भूमिका निभाने वाली साई पल्लवी लाल जरदोजी साड़ी में दिखाई दीं। रावण का किरदार निभा रहे यश ने ऑल-ब्लैक लुक अपनाया। उनकी पत्नी राधिका पंडित भी कार्यक्रम में मौजूद रहीं। फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग डेविड गेफेन थिएटर में हुई, जिसमें चुनिंदा मेहमानों को आमंत्रित किया गया था। भारतीय पौराणिक कथा पर आधारित इस फिल्म में रणबीर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता और यश रावण की भूमिका निभा रहे हैं। दोनों भागों का कुल बजट करीब 4,000 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। भव्य निर्माण और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रहे प्रचार के कारण फिल्म पर सबकी निगाहें टिकी हैं।

श्रीलंका के दिलशान मधुशंका ने रचा इतिहास

34 रन देकर झटके 5 विकेट, पाकिस्तान को घर में मिली करारी हार श्रीलंका ने 8 विकेट से जीतकर फाइनल में बनाई जगह

यूनिक समय, नई दिल्ली। श्रीलंका के तेज गेंदबाज दिलशान मधुशंका ने पाकिस्तान की धरती पर ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जिसने क्रिकेट जगत का ध्यान खींच लिया है। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में 27 अक्टूबर को खेले गए ट्राई सीरीज के पांचवें मुकाबले में उन्होंने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट झटके।



उनकी घातक गेंदबाजी के सामने पाकिस्तान की टीम महज 110 रन पर सिमट गई। श्रीलंका ने यह मुकाबला आठ विकेट से जीतकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। मधुशंका ने 8.3 ओवर में सिर्फ 34 रन देकर पांच बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा।

उन्होंने फखर जमान, साद बेग, अराफात मिन्हास, शाहीन अफरीदी और हारिस रऊफ को अपना शिकार बनाया। पाकिस्तान के बल्लेबाज घरेलू मैदान पर श्रीलंकाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सके और टीम बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रही। जवाब में श्रीलंका ने 18.1 ओवर में

दो विकेट खोकर 111 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस प्रदर्शन के साथ मधुशंका ने पाकिस्तान में मेजबान टीम के खिलाफ किसी विदेशी तेज गेंदबाज के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के क्रिस हैरिस के नाम था, जिन्होंने 1996 में लाहौर में 42 रन देकर पांच विकेट लिए थे। मधुशंका ने 34 रन देकर पांच विकेट हासिल करते हुए करीब 30 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। श्रीलंका की जीत से ट्राई सीरीज के फाइनल की तस्वीर भी साफ हो गई है। इंग्लैंड खिताबी मुकाबले की दौड़ से बाहर हो गया है। अब 31 अक्टूबर को फाइनल में पाकिस्तान और श्रीलंका आमने-सामने होंगे।

बांग्लादेश को लगा बड़ा झटका मुशफिकुर रहीम बाहर

उंगली की चोट ने बढ़ाई टीम की मुश्किलें

तौहीद हदोय को मिला मौका, दूसरे टेस्ट तक वापसी की उम्मीद

यूनिक समय, नई दिल्ली। बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच जारी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के बीच मेजबान टीम को बड़ा झटका लगा है। अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम उंगली में चोट के कारण पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं। हालांकि, टीम को उम्मीद है कि वह 5 नवंबर से सिलहट में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट तक फिट हो जाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, रहीम को 27 अक्टूबर को अभ्यास के दौरान दाहिने

हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लगी थी। बल्लेबाजी करते समय बाउंसर गेंद उनकी उंगली पर लगी, जिसके बाद उन्हें दर्द होने लगा। अगले दिन भी परेशानी बरकरार रहने पर उनका एक्स-रे कराया गया। जांच में फ्रैक्चर नहीं मिला, लेकिन सूजन और दर्द के कारण वह पहले टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं हो सके। उनकी गैरमौजूदगी में तौहीद हदोय को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया है। रहीम बांग्लादेश के प्रमुख टेस्ट बल्लेबाजों में शामिल हैं और अपने 7,000 टेस्ट रन पूरे करने से सिर्फ 43 रन दूर हैं। उन्होंने हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ 81 रन की पारी खेली थी। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से अहम इस सीरीज में बांग्लादेश को उम्मीद होगी कि रहीम जल्द वापसी कर टीम को मजबूती देंगे।

एमएलसी चुनाव में भाजपा पांच सपा तीन सीट जीती



यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 11 सीटों पर हुए चुनाव की मतगणना में भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल रहा है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, आठ सीटों के नतीजे घोषित हो चुके हैं। इनमें भाजपा ने पांच और सपा ने तीन सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं, कुछ सीटों पर मतगणना और रुझानों के चलते तस्वीर बदलती दिखाई दे रही है।

भाजपा को वाराणसी की शिक्षक सीट पर झटका लगा है। यहां सपा के लाल बिहारी यादव ने जीत दर्ज की।

वाराणसी की स्नातक सीट पर भी सपा प्रत्याशी आशुतोष सिन्हा बढ़त बनाए हुए थे। गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक सीट पर भाजपा के ध्रुव कुमार त्रिपाठी और निर्दलीय प्रत्याशी राजीव यादव के बीच कड़ा मुकाबला रहा। द्वितीय वरीयता के मतों की गिनती में ध्रुव 901 मतों से आगे बताए गए।

आगरा खंड शिक्षक सीट पर सपा प्रत्याशी डॉ. आकाश अग्रवाल ने भाजपा के हरि किशोर तिवारी को हराकर जीत दर्ज की।

वहीं, आगरा खंड स्नातक सीट पर भाजपा के मानवेंद्र प्रताप सिंह विजयी

घोषित किए गए। झांसी-इलाहाबाद स्नातक सीट पर सपा के मान सिंह यादव ने भाजपा के अशोक कुमार राठौर को 25 हजार मतों से हराया।

भाजपा ने मेरठ-सहारनपुर की स्नातक और शिक्षक, दोनों सीटों पर जीत हासिल की। दिनेश गोयल और श्रीचंद शर्मा विजयी रहे। बरेली-मुरादाबाद शिक्षक सीट पर भाजपा के डॉ. हरि सिंह ढिल्लों ने जीत दर्ज की। लखनऊ शिक्षक सीट भी भाजपा के उमेश द्विवेदी के खाते में गई।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सपा का वहां खाता खुला,

11 सीटों के चुनाव में भाजपा-सपा के बीच कांटे की टक्कर

अखिलेश की अपील जुलूस नहीं निकालना छवि बिगाड़ने की हो सकती है साजिश

काशी में भाजपा को झटका, गोरखपुर में मुकाबला

आगरा में सपा ने शिक्षक, भाजपा ने स्नातक सीट जीती

जहां भाजपा को जीत की उम्मीद थी। उन्होंने परिणामों पर मंथन करने की बात कही।

चुनाव में पांच स्नातक और छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में 23 अक्टूबर को मतदान हुआ था।

यूपी में तूफान का अलर्ट बारिश-ओलों से बढ़ेगी टंड और किसानों की चिंता



यूनिक समय, लखनऊ। बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के प्रभाव से उत्तर प्रदेश में मौसम बदलने की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 29 से 31 अक्टूबर तक कई जिलों में बारिश, तेज हवाएं, गरज-चमक और बिजली गिरने का खतरा है। कुछ क्षेत्रों में ओलावृष्टि की भी आशंका है। बारिश और ठंडी हवाओं से अधिकतम तापमान में 5 से 8 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है।

29 अक्टूबर को सोनभद्र, चित्रकूट, प्रयागराज, वाराणसी और मिर्जापुर समेत 21 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट बताया गया है। वहीं, 38 जिलों में आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है। राहत आयुक्त भानु चंद्र गोस्वामी ने सभी जिलों के अधिकारियों को सतर्क रहने और आपदा नियंत्रण कक्ष सक्रिय रखने के निर्देश दिए हैं। बेमौसम बारिश से पककर तैयार धान की फसल को

60 जिलों में मौसम बिगड़ने की आशंका प्रशासन सतर्क

धान, सब्जियों और आलू-सरसों की बुवाई पर पड़ सकता है असर

नुकसान पहुंच सकता है। तेज हवाओं से फसल गिरने और खेतों में पानी भरने से दाने खराब होने का खतरा है। सब्जियों और बागवानी की फसलों पर भी असर पड़ सकता है। जलभराव के कारण आलू और सरसों की बुवाई में देरी संभव है। किसानों को कटी फसल सुरक्षित स्थान पर रखने, जलनिकासी की व्यवस्था करने और मौसम खराब रहने के दौरान छिड़काव व सिंचाई से बचने की सलाह दी गई है। फसल बीमा कराने वाले किसान नुकसान होने पर 72 घंटे के भीतर सूचना दें।

मेरठ में बच्चों से भरी स्कूल बस खेत में गिरी, 15 घायल



यूनिक समय, मेरठ। रोहता थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह बच्चों से भरी स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल की बस चिंदौड़ी-सतवाई मार्ग पर करीब छह फीट गहरे खेत में जा गिरी। हादसे में 18 बच्चों के सवार होने की जानकारी सामने आई, जिनमें 15 के घायल होने की बात कही गई है। हादसे के बाद चालक मौके से भाग गया, हालांकि पुलिस के अनुसार उसे हिरासत में ले लिया गया है।

बस में फंसे बच्चों को निकालने के लिए ग्रामीणों ने शीशे तोड़े। इसके बाद घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया। ग्रामीणों और परिजनों ने चालक पर शराब के नशे में

छह फीट नीचे गिरी बस शीशे तोड़कर बच्चों को निकाला बाहर

22 साल पुरानी बस की फिटनेस पर सवाल, चालक हिरासत में

बस चलाने का आरोप लगाया। वहीं, स्कूल संचालक अजय गुप्ता ने आरोप को खारिज किया। भाजपा नेता प्रदीप ढड़ग ने बस करीब 22 साल पुरानी होने और दस्तावेजों की अवधि समाप्त होने का दावा किया। चालक के अनुसार, सामने से आ रही बाइक को बचाने के दौरान बस का नियंत्रण बिगड़ा और स्टेयरिंग फेल होने की बात भी सामने आई। पुलिस बस की फिटनेस, दस्तावेजों और हादसे की वजह की जांच कर रही है। घायल बच्चों की संख्या को लेकर स्कूल प्रबंधन और ग्रामीणों के दावों में अंतर है।

आगरा में बच्ची से दुराचार के दोषी को उम्रकैद

यूनिक समय, आगरा। खेरागढ़ थाना क्षेत्र में 12 वर्षीय बच्ची से दुराचार के मामले में पाँक्सो अदालत ने दोषी ओमवीर को शेष प्राकृतिक जीवन तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई। विशेष न्यायाधीश सोनिका चौधरी ने 50 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया। जुमानि की राशि पीड़िता को देने और उचित प्रतिकर दिलाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिए गए। अभियोजन के अनुसार, 17 अप्रैल 2025 की रात आरोपी बच्ची को घर से उठाकर गांव के बाहर एक वाटिका में ले गया था। घटना के बाद बच्ची को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां वह करीब 10 दिन रही। पुलिस ने पिता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर 21 अप्रैल को आरोपी को गिरफ्तार किया था। सुनवाई के दौरान 12 गवाह पेश किए गए। गवाही, चिकित्सकीय रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई।

हाईकोर्ट में वकील से विवाद पर बार एसोसिएशन ने दी बहिष्कार की चेतावनी

यूनिक समय, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में वकील और अदालत के बीच विवाद का मामला सामने आया है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने 27 अक्टूबर को मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर मामले में हस्तक्षेप और उचित कार्रवाई की मांग की है। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि कार्रवाई नहीं होने पर संबंधित न्यायमूर्ति की अदालत का बहिष्कार किया जा सकता है।

बार एसोसिएशन के पत्र के अनुसार, सुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक स्तर के एक अधिकारी अतिरिक्त सरकारी अधिवक्ता के पीछे वाली पंक्ति में बैठे थे। एक वकील ने अधिकारी से निर्धारित सीट पर बैठने को कहा। आरोप है कि इस पर अतिरिक्त सरकारी अधिवक्ता ने वकील को फटकार लगाई और न्यायमूर्ति से शिकायत की। एसोसिएशन का आरोप है कि शिकायत के बाद न्यायमूर्ति ने वकील को जेल भेजने की बात कही। वकील के माफी मांगने पर उनसे पुलिस

वकील को जेल भेजने की बात कहने का आरोप, मुख्य न्यायाधीश को पत्र

पुलिस अधिकारी से माफी मंगवाने पर अधिवक्ताओं ने जताई नाराजगी

अधिकारी से भी माफी मांगने को कहा गया। अदालत में मौजूद एक वरिष्ठ अधिवक्ता पर टिप्पणी किए जाने का आरोप भी लगाया गया है।

बार एसोसिएशन ने इसे अधिवक्ताओं की गरिमा से जुड़ा मामला बताते हुए मुख्य न्यायाधीश से कार्रवाई की मांग की है। मामले में संबंधित पक्षों की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

किसानों की एफडी और खातों से रकम गायब होने का दावा

यूनिक समय, ग्रेटर नोएडा। पीआई-1 सेक्टर स्थित पंजाब नेशनल बैंक की शाखा में किसानों, मजदूरों और अन्य खाताधारकों की जमा रकम में कथित हेराफेरी का मामला सामने आया है। आरोप है कि खाताधारकों की जानकारी के बिना उनके खातों और सार्वधिक जमा में रखे लाखों-करोड़ों रुपये दूसरे खातों में स्थानांतरित कर दिए गए। मामले में बैंक कर्मचारियों पर संदेह जताया जा रहा है, हालांकि आरोपों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

मामले का खुलासा तब हुआ, जब कुछ ग्राहकों के चेक बाउंस हो गए। बैंक पहुंचकर खातों की जांच करने पर उन्हें जमा रकम में अंतर मिला। कुछ



खाताधारकों ने 35 लाख, 40 लाख और करीब एक करोड़ रुपये तक स्थानांतरित होने का दावा किया। उनका आरोप है कि मोबाइल नंबर बंद किए जाने से लेनदेन की जानकारी समय पर नहीं मिल सकी। मामले के बाद बैंक ने आंतरिक जांच शुरू की है। खबरों के मुताबिक, करीब 10 से 12 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया और शाखा में नया स्टाफ तैनात किया गया है।

प्रभावित खाताधारकों और किसान

10 से 12 कर्मचारी निलंबित, प्राथमिकी और सीबीआई जांच की मांग

मजदूर संगठन के पदाधिकारियों ने बैंक पहुंचकर विरोध जताया। उनका कहना है कि कई किसानों के खातों में भूमि अधिग्रहण के मुआवजे की बड़ी रकम जमा थी। प्रदर्शनकारियों ने प्राथमिकी दर्ज करने और केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने की मांग की है। बैंक के बाहर सुरक्षा के लिए पीएसी भी तैनात की गई। रकम कहां स्थानांतरित हुई और इसके लिए कौन जिम्मेदार है, यह जांच के बाद स्पष्ट होगा।

आगरा में हाईटेक धोबीघाट तैयार एक घंटे में धुलेंगे 200 किलो कपड़े



यूनिक समय, आगरा। यमुना को कपड़ों की धुलाई से होने वाले प्रदूषण से बचाने के लिए नगर निगम ने छलेसर में 1.90 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक मशीनीकृत धोबीघाट तैयार किया है। करीब 800 वर्ग मीटर क्षेत्र में बने इस केंद्र में तीन बड़ी मशीनों से एक घंटे में 200 किलो कपड़े धोए जा सकेंगे। फिलहाल इसका परीक्षण चल रहा है और दीपावली के आसपास संचालन शुरू करने की योजना है।

धोबीघाट में धुलाई के बाद कपड़ों से पानी निकालने के लिए 30 किलो क्षमता का हाइड्रो एक्सट्रेक्टर और 60 किलो क्षमता का टंबल ड्रायर लगाया गया है। कपड़ों की इस्त्री के लिए वैक्यूम और मैनुअल आयरनिंग टेबल की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

धुलाई के दौरान इस्तेमाल होने वाले पानी को शोधित करने के बाद छोड़ा जाएगा, ताकि यमुना में

1.90 करोड़ रुपये की लागत से छलेसर में बना आधुनिक केंद्र

पानी को शोधित कर छोड़ा जाएगा, कपड़े सुखाने को ड्रायर की सुविधा

प्रदूषण कम किया जा सके। नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक, केंद्र का संचालन बिना लाभ-हानि के आधार पर होगा। उपभोक्ताओं से बिजली सहित संचालन खर्च के अनुरूप मामूली शुल्क लिया जाएगा। नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य के अनुसार, संचालनकर्ता तय करने के लिए पांच बार निविदा प्रक्रिया अपनायी पड़ी। परीक्षण के दौरान सामने आने वाली कमियों को दूर कर केंद्र शुरू किया जाएगा।

चक्रवात अर्नब का खौफनाक रूप समंदर से सड़कों तक मची तबाही

150 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है हवा की रफ्तार

कई इलाकों में पेड़ गिरे और बिजली आपूर्ति टप

यूनिक समय, नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश में चक्रवात अर्नब का असर दिखने लगा है। बुधवार को तट के पास पहुंचे इस बेहद गंभीर चक्रवाती तूफान के कारण कई जिलों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार, तूफान के लैंडफॉल की प्रक्रिया जारी है और अगले कुछ घंटों तक इसका असर बना रह सकता है। तेज हवाओं के कारण कई जगह पेड़ उखड़ गए हैं, बिजली की लाइनें टूट



गई हैं और सड़कें पानी में डूब गई हैं। हालात को देखते हुए लोग घरों के अंदर रहने को मजबूर हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, चक्रवात अर्नब के आंध्र प्रदेश और यनम के तटों को पार करने की संभावना है। इस दौरान हवा की रफ्तार 135 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है, जबकि कुछ इलाकों में यह 150 किलोमीटर प्रति घंटे तक

पहुंचने का अनुमान है। विशाखापत्तनम में तेज हवाओं के कारण कई जगह पेड़ गिरने से रास्ते बाधित हुए हैं। बीच रोड और सीथाम्माधारा के आसपास भी आवागमन प्रभावित हुआ है। वहीं, ओडिशा के गंजाम जिले के गोपालपुर में समुद्र में उथल-पुथल के साथ तेज हवाएं और भारी बारिश दर्ज की गई। चक्रवात के प्रभाव से अनाकापल्ली,

विशाखापत्तनम, काकीनाडा और कोनासीमा समेत कई जिलों में भारी बारिश हुई है। जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन अधिकारी हालात पर लगातार नजर रख रहे हैं। काकीनाडा जिले में पुलिस ने बाढ़ के पानी में फंसे चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। ये लोग बॉम्बे कट्टा इलाके में पानी भर जाने के कारण रातभर फंसे रहे थे। सूचना मिलने पर बचाव अभियान चलाया गया और उन्हें घर भेज दिया गया। इसके अलावा काकीनाडा एंकोरेज पोर्ट स्थित सीडब्ल्यूसी गोदामों में तीन लोगों के फंसे होने की खबर सामने आई। परिसर में पानी भरने और बिजली आपूर्ति बंद होने से बचाव कार्य चुनौतीपूर्ण हो गया। प्रशासन की प्राथमिकता लोगों को सुरक्षित निकालना और चक्रवात से होने वाले नुकसान को कम करना है।

राहुल गांधी से व्यापारियों की खास अपील 20 मिनट में समझाएं पूरा मामला

सीटीआई ने पत्र लिखकर मांगा मिलने का समय

दिवाली से पहले इंडिया गठबंधन की रैली टालने की मांग



मुताबिक, रामलीला मैदान के आसपास स्थित 20 बड़े थोक बाजारों के 20 व्यापारी प्रतिनिधि राहुल गांधी से मिलकर अपनी चिंताएं बताना चाहते हैं। पत्र में सीटीआई ने कहा कि यदि राहुल गांधी 20 मिनट की बातचीत में यह समझा देते हैं कि रैली से व्यापार बढ़ेगा और ग्राहकों की संख्या में इजाफा होगा, तो संगठन अपना विरोध वापस लेकर रैली का स्वागत करेगा। वहीं, व्यापारी नुकसान की आशंका समझाने में सफल रहे तो रैली को दिवाली तक टालने की मांग की गई है।

सीटीआई ने अपने पत्र में राहुल गांधी के 'मोहब्बत की दुकान' वाले संदेश का जिक्र करते हुए कहा कि दिवाली के बाजार में व्यापारियों की आजीविका प्रभावित नहीं होनी चाहिए। संगठन ने उम्मीद जताई कि राहुल गांधी बातचीत के लिए समय देंगे।

नेतन्याहू की सत्ता पर संकट इजरायल चुनाव में फंसा पेंच

एग्जिट पोल में किसी भी गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं

सरकार बनाने में अरब पार्टियों की भूमिका हो सकती है अहम



मुताबिक, नेतन्याहू ब्लॉक को 55, विपक्षी गठबंधन को 49 और अरब पार्टियों को 16 सीटें मिल सकती हैं। एक अन्य पोल में नेतन्याहू समर्थक दलों को 60 सीटें मिलने का अनुमान है। इजरायल की संसद नेसेट में कुल 120 सीटें हैं और सरकार बनाने के लिए कम से कम 61 सांसदों का समर्थन जरूरी है। ऐसे में अरब पार्टियों की भूमिका निर्णायक हो सकती है। रा'आम पार्टी के प्रमुख मंसूर अब्बास ने संकेत दिया है कि दोनों खेमों के नेता उनसे संपर्क कर रहे हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, मतदान 77.7 प्रतिशत रहा, जो 2022 के चुनाव के मुकाबले अधिक है। हालांकि, एग्जिट पोल अंतिम नतीजे नहीं होते। अब देखना होगा कि नेतन्याहू सत्ता बचा पाते हैं या विपक्ष सरकार बनाने में सफल रहता है।

यूनिक समय, नई दिल्ली। इजरायल में संसदीय चुनाव के लिए मतदान खत्म होने के बाद अब सबकी नजर नतीजों पर टिकी है। एग्जिट पोल के अनुमानों ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सत्ता में वापसी को लेकर अनिश्चितता बढ़ा दी है। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, नेतन्याहू के नेतृत्व वाले गठबंधन और विपक्ष के बीच कांटे की टक्कर है। किसी भी खेमे को स्पष्ट बहुमत मिलता नजर नहीं आ रहा, जिससे गठबंधन सरकार बनने की संभावना बढ़ गई है। इजरायल के सरकारी चैनल कान 11 के अपडेटेड एग्जिट पोल में नेतन्याहू समर्थक गठबंधन और विरोधी खेमे को 51-51 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। वहीं, डायरेक्ट पोल्स के

जिओ आईपीओ ने मचाया तहलका, 3 दिन में बनाए 7 बड़े रिकॉर्ड

100 मिनट में पूरा सब्सक्राइब हुआ इश्यू निवेशकों ने लगाई 22 गुना से ज्यादा बोलियां

देश का सबसे बड़ा आईपीओ



में सात बड़े रिकॉर्ड बनाए। जियो प्लेटफॉर्म को एक करोड़ से ज्यादा व्यक्तिगत निवेशक आवेदन मिले, जिससे यह इस आंकड़े को पार करने वाला दुनिया का पहला आईपीओ बना। इश्यू खुलने के 100 मिनट से भी कम समय में यह पूरी तरह सब्सक्राइब हो गया।

इसके अलावा, यह भारत का सबसे बड़ा इक्विटी इश्यू और प्रेशा शेयर जारी करके इतनी बड़ी रकम जुटाने वाला आईपीओ भी बना। आईपीओ में कुल शेयरों की मांग का मूल्य करीब 7.4 लाख करोड़ रहा, जबकि सार्वजनिक निवेशकों की ओर से 4.9 लाख करोड़ से

अधिक की बोलियां मिलीं। एंकर निवेशकों के लिए आवंटित शेयरों के मुकाबले भी भारी मांग दर्ज की गई। इस इश्यू में रिलायंस इंडस्ट्रीज, मेटा और गूगल ने अपनी हिस्सेदारी नहीं बेची। पूरी राशि नए शेयर जारी करके जुटाई गई। निवेशकों की श्रेणियों में सबसे ज्यादा उत्साह संस्थागत निवेशकों ने दिखाया। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का हिस्सा 70.55 गुना सब्सक्राइब हुआ, जबकि गैर-संस्थागत निवेशकों का हिस्सा 14 गुना और रिटेल निवेशकों का हिस्सा 2.72 गुना भरा।

1,119 के ऊपरी मूल्य बैंड पर कंपनी का अनुमानित बाजार पूंजीकरण करीब 10.3 लाख करोड़ बताया गया। जियो के आईपीओ ने निवेशकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा किया।

स्वामी रामदेव का आरोप, सनातन को बदनाम करने की साजिश

हरिद्वार में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बोले योग गुरु

हिंदू धर्म और भारतीय ग्रंथों को लेकर फैलाए गए भ्रम



यूनिक समय, नई दिल्ली। योग गुरु स्वामी रामदेव ने हरिद्वार में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सनातन धर्म को बदनाम करने की साजिश का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म और भारतीय शास्त्रों को लेकर झूठ फैलाया गया तथा ऐतिहासिक ग्रंथों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया। रामदेव के मुताबिक, सनातन धर्म सभी को समान मानता है और सदभाव का संदेश देता है। स्वामी रामदेव ने कहा कि मुगल काल और अंग्रेजों के शासन के दौरान भारतीय ग्रंथों को लेकर कई भ्रान्तियां फैलाई गईं। उन्होंने मनुस्मृति का उल्लेख करते हुए दावा किया कि सनातन धर्म में महिलाओं और शूद्रों के अपमान की बात को गलत रूप में पेश किया गया। उन्होंने कहा कि जाति व्यवस्था से जुड़े

भेदभाव को बढ़ावा दिया गया, जबकि ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र को कर्म के आधार पर समझा जाना चाहिए। रामदेव ने आरोप लगाया कि धार्मिक और सांस्कृतिक मतभेदों का इस्तेमाल समाज में फूट डालने के लिए किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि सनातन धर्म के सिद्धांत सत्य और धर्म पर आधारित हैं तथा योग और आयुर्वेद के प्रति दुनिया भर में लोगों की रुचि बढ़ रही है। उनके अनुसार, सनातन परंपरा को कमजोर करने के प्रयासों के बावजूद इसके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। गौरतलब है कि पिछले महीने भी रामदेव ने पतंजलि की दवाओं और घी को लेकर उठे सवाल पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उस दौरान उन्होंने दावा किया था कि पतंजलि के उत्पादों को लेकर गलत धारणाएं फैलाई गई हैं।

भारतीय पायलट को यूएई का बड़ा सम्मान, राष्ट्रपति ने लगाया गले

विमान को क्रैश कराने की कोशिश नाकाम करने वाले कैप्टन स्मित मच्छर को मिला 'जायद आईआई' सम्मान



यूनिक समय, नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने फ्लाईडुबई के भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर को 'जायद आईआई-फर्स्ट क्लास' सम्मान से नवाजा है। विमान को क्रैश होने से बचाने और यात्रियों की जान सुरक्षित रखने के लिए उनकी बहादुरी की सराहना की गई। सम्मान समारोह के दौरान यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने कैप्टन मच्छर को गले लगाया। दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान ने भी उन्हें देश की पहचान बताते हुए उनकी तारीफ की। यह घटना 30 सितंबर की है, जब फ्लाईडुबई की उड़ान एफजेड1073 दुबई से तेल अवीव जा रही थी। आरोप है कि विमान के को-पायलट ने कॉकपिट में इमरजेंसी कुल्हाड़ी से कैप्टन

मच्छर पर हमला कर दिया और विमान को गिराने की कोशिश की। हमले में कैप्टन गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। यात्रियों और क्रू की मदद से हमलावर को काबू किया गया।

बाद में विमान का रास्ता बदलकर सऊदी अरब के ताबुक शहर में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान में सवार सभी 180 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। यूएई के नेताओं ने कैप्टन मच्छर और पूरे क्रू की बहादुरी की सराहना की। इस सम्मान को मुश्किल हालात में जिम्मेदारी और साहस दिखाने के लिए उनकी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

पाकिस्तान से बढ़ती नजदीकी पर घिरे मुइज्जू, विपक्ष ने दी चेतावनी

यूनिक समय, नई दिल्ली। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के पाकिस्तान के साथ बढ़ते रिश्तों को लेकर देश में राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। 20 से 22 अक्टूबर तक पाकिस्तान दौर पर रहे मुइज्जू ने दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य, शिक्षा, व्यापार, रक्षा और समुद्री सुरक्षा समेत 20 समझौतों पर सहमति जताई। इसके बाद मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने चेतावनी दी कि अगर भारत को अपनी सुरक्षा पर खतरा महसूस हुआ, तो मालदीव को इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष नशीद ने मुइज्जू की यात्रा की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव को नजरअंदाज किया। पूर्व विदेश मंत्री

अब्दुल्ला शाहिद ने भी दौर पर सवाल उठाए और मुइज्जू पर भारत विरोधी राजनीति दोबारा शुरू करने की आशंका जताई। यह 11 साल में किसी मालदीवी राष्ट्रपति की पहली पाकिस्तान यात्रा थी। दोनों देशों ने अगले दो वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 1.3 करोड़ डॉलर से बढ़ाकर 20 करोड़ डॉलर करने का लक्ष्य रखा है। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह दोनों देशों के बीच हुए समझौतों पर नजर रख रहा है। हिंद महासागर में मालदीव की रणनीतिक स्थिति भारत के लिए महत्वपूर्ण है। वहीं, मालदीव की अर्थव्यवस्था पर्यटन और भारत से होने वाली जरूरी सामानों की आपूर्ति पर भी काफी निर्भर करती है। ऐसे में पाकिस्तान से बढ़ती नजदीकी के बीच भारत के साथ संतुलन बनाए रखना मुइज्जू सरकार के लिए अहम चुनौती है।

छाता शुगर मिल चालू कराने निकले किसान, नरी सेमरी पर रोके

यूनिक समय, मथुरा। छाता चीनी मिल को दोबारा चालू करने और किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग को लेकर बुधवार को किसानों ने ट्रैक्टर मार्च निकालकर मथुरा की ओर कूच किया। पदम फौजी के नेतृत्व में निकले मार्च को पुलिस- प्रशासन ने नरी सेमरी अंडरपास के समीप रोक दिया। इस दौरान किसानों और अधिकारियों के बीच काफी देर तक तीखी बहस हुई। किसान डीएम को ही ज्ञापन सौंपने की मांग पर अड़े रहे। बाद में एडीएम प्रशासन अमरेश सिंह ने ज्ञापन लेकर 30 अक्टूबर को डीएम और एसएसपी की अध्यक्षता में वार्ता कराने का आश्वासन दिया।

किसानों की प्रमुख मांगों में छाता शुगर मिल को फिर से चालू कराना, निर्दोष किसानों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस लेना और जब्त सामान लौटाना शामिल है। इन मांगों को लेकर किसान संगठनों ने चीनी मिल से ट्रैक्टर मार्च शुरू किया। दोपहर में मार्च



किसानों के ट्रैक्टर मार्च को रोकने से नाराज सपा नेता लोकमणिकांत जादौन और पुलिस अधिकारी के बीच होती बहस।

नरी सेमरी पहुंचा तो भारी पुलिस बल ने उसे आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बाद मौके पर गहमागहमी बनी रही।

किसान नेता पदम फौजी ने अधिकारियों से कहा कि किसानों की मांगों पर संतोषजनक आश्वासन मिलने के बाद ही वे छाता लौटेंगे।

किसान डीएम को ज्ञापन देने पर अड़े रहे। इस दौरान सपा नेता लोकमणिकांत जादौन, कुंवर नरेंद्र सिंह, ठाकुर किशोर सिंह और करणी सेना के

जिलाध्यक्ष सहित कई लोगों ने प्रशासनिक अधिकारियों से बातचीत की। पुलिस-प्रशासन के अधिकारी मौके पर भारी बल के साथ तैनात रहे।

एडीएम प्रशासन अमरेश सिंह ने कहा कि सड़क पर किसी समस्या का अंतिम निर्णय नहीं हो सकता। ऐसे आंदोलनों से आम जनता को असुविधा होती है।

उन्होंने कहा कि किसानों ने भी समझदारी का परिचय दिया है। ज्ञापन

मुकदमे वापसी और जब्त सामान लौटाने की मांग पर अड़े किसान, अधिकारियों से तीखी बहस

30 अक्टूबर को डीएम एसएसपी की अध्यक्षता में होगी वार्ता

प्राप्त कर लिया गया है। 30 अक्टूबर को डीएम-एसएसपी की अध्यक्षता में बैठक कर नियमानुसार आवश्यक निर्णय और कार्रवाई की जाएगी।

मौके पर एसडीएम छाता अखिलेश कुमार, तहसीलदार नितिन, एसपी सिटी राजीव कुमार, एसपी देहात आलोक राजनरायण, सीओ भूषण वर्मा, सीओ गोवर्धन और कोतवाली प्रभारी उमेश चंद्र त्रिपाठी सहित कोसीकलां, शेरगढ़ और बरसाना थानों का पुलिस बल मौजूद रहा।

मथुरा-वृंदावन के विकास में व्यापारी समाज देगा पूरा सहयोग



यूनिक समय, मथुरा। डेम्पीयर नगर स्थित स्थानीय होटल में बुधवार को स्वर्गीय पूरन सिंह और स्वर्गीय अंगूरी देवी की पुण्यस्मृति में मथुरा-वृंदावन के नगर विकास को लेकर संगोष्ठी आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने की। कार्यक्रम में व्यापारियों और जनप्रतिनिधियों ने शहर के विकास से जुड़े मुद्दों पर विचार रखे। व्यापार मंडल के महानगर अध्यक्ष अजय चतुर्वेदी ने कहा कि मथुरा-वृंदावन के विकास में व्यापारी समाज का हमेशा सहयोग रहा है और आगे भी रहेगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम को

व्यापारियों ने शहर के विकास में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया

जब भी व्यापारियों के सहयोग की आवश्यकता होगी, वे विकास कार्यों में योगदान देने के लिए तैयार रहेंगे। गुलवीर चौधरी ने बताया कि पुण्यतिथि के अवसर पर पार्षद उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मनोज फौजदार, राजवीर चौधरी, व्यापार मंडल के महानगर महामंत्री राजेश गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ताराचंद्र अग्रवाल और महानगर मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्ता अखिलेश कुमार मिश्रा पिटू सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अनुराग अग्रवाल को मिला प्रतिष्ठित 'जायंट्स श्री' सम्मान

यूनिक समय, मथुरा। समाज सेवा और जनकल्याण के क्षेत्र में योगदान के लिए जायंट्स ग्रुप ऑफ मथुरा मेन के अध्यक्ष अनुराग अग्रवाल को प्रतिष्ठित 'जायंट्स श्री' सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान फेडरेशन-5 के सम्मेलन में प्रदान किया गया। सम्मान समारोह में जायंट्स वेलफेयर के डिप्टी वर्ल्ड अध्यक्ष एसपी चतुर्वेदी, केंद्रीय कमेटी के सदस्य राजेश बजाज और फेडरेशन-5 के अध्यक्ष विपिन मित्तल ने अनुराग अग्रवाल को सम्मानित किया। यह सम्मान उनके सेवा भाव और सामाजिक



कार्यों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। अनुराग अग्रवाल की इस उपलब्धि से जायंट्स ग्रुप ऑफ मथुरा मेन के सदस्यों में खुशी का माहौल है। सदस्यों ने इसे संगठन के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

महिला आयोग अध्यक्ष के सामने पहुंची नौ शिकायतें, निस्तारण के निर्देश



बुधवार को राजीव भवन के सभागार में पुलिस और अन्य विभागों के अधिकारियों से संवाद करती राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डा. बबीता चौहान।

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने बुधवार को मथुरा में महिला सुरक्षा और कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की। राजीव भवन सभागार में आयोजित जनसुनवाई में नौ शिकायतें मिलीं, जिनमें अधिकांश पुलिस विभाग से संबंधित थीं। अध्यक्ष ने अधिकारियों को सभी मामलों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए।

इससे पहले कन्या जन्मोत्सव, गोदभरवाई और अन्नप्राशन कार्यक्रम हुआ। अध्यक्ष ने गर्भवती महिलाओं को फल की टोकरी भेंट की और दस नवजात बालिकाओं का केक काटकर जन्मोत्सव मनाया। बालिकाओं को बेबी किट वितरित की गई। अध्यक्ष ने सरकारी-गैरसरकारी कार्यालयों और निजी प्रतिष्ठानों में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए आंतरिक परिवाद समितियों (आईसीसी) का शत-प्रतिशत

10 नवजात बेटियों का मनाया जन्मोत्सव, कार्यालयों में आईसीसी गठन और शिकायत पेटिका पर सख्ती

गठन कराने और शिकायत पेटिका लगवाने के निर्देश दिए। शाम को राया में शक्ति संवाद के दौरान स्वयं सहायता समूहों की करीब 20 महिलाओं से बातचीत की। उनकी समस्याएं और सुझाव सुनकर विश्वकर्मा योजना, कौशल विकास और महिला सुरक्षा संबंधी प्रावधानों की जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राधावल्लभ, जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे, डीपीआरओ धनंजय जायसवाल, जिला कार्यक्रम अधिकारी योगेंद्र सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास चन्द्र सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, पुलिसकर्मी और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अखिलेश बने अतिरिक्त निरीक्षक यमुनापार

27 उप निरीक्षकों चौकी प्रभारी और थाने भेजा

यूनिक समय, मथुरा। एसएसपी ने बड़ी संख्या में एक निरीक्षक सहित उप निरीक्षकों और चौकी प्रभारियों के स्थानांतरण किए हैं। एसएसपी श्लोक कुमार ने पुलिस लाइन से अखिलेश कुमार बघेल को अतिरिक्त निरीक्षक जमुनापार बनाया है। इसके साथ ही थाना बल्देव के हनुमान तिराहा चौकी प्रभारी वीर सिंह को थाना हाईव, हरेद कुमार को चौकी प्रभारी गोपाल बाग कोसीकलां से टोल चौकी प्रभारी मांट, मांगे राम को चौकी प्रभारी बागबहादुर को चौकी प्रभारी बालाजीपुरम हाईव, भुवनेश दीक्षित चौकी प्रभारी को टोल प्लाजा से चौकी प्रभारी बिहारी, हरेद सिंह चौकी प्रभारी कृष्णापुरी सदर बाजार को चौकी प्रभारी अरतौनी बल्देव, विपिन तौमर को एसएसआई सदर बाजार से चौकी प्रभारी सिविल लाइन, मोनू कुमार को सिविललाइन चौकी प्रभारी से चौकी प्रभारी बागबहादुर कोतवाली, अनूप तौमर को चौकी प्रभारी बालाजीपुरम से चौकी प्रभारी पब्वीपुर सुरीर, शिव कुमार शर्मा चौकी प्रभारी बिहारी

वृंदावन से चुनाव सैल, महिला उप निरीक्षक पलक सोलंकी को कोसीकलां से थाना गोवर्धन, सुनीता को गोवर्धन से रिफाइनरी, हेमलता को सदर बाजार से चौकी प्रभारी कृष्णापुरी, सुरज कुमार को चौकी प्रभारी सेही शेरगढ़ से चौकी प्रभारी गोपाल बाग कोसीकलां, सत्येंद्र सिंह को शेरगढ़ से चौकी प्रभारी सेही शेरगढ़, अरुण कुमार सिंह को बल्देव से चौकी प्रभारी हनुमान तिराहा, वीरेश कुमार को चौकी प्रभारी पब्वीपुर सुरीर से कोतवाली छाता, प्रशांत माठा को चौकी प्रभारी अरतौनी बल्देव से थाना मांट, पुलिस लाइन में तैनात ऋषभ कुमार को एसएसआई सदर बाजार, विरेंद्र सिंह को एसएसआई सुरीर, मुनेंद्र पाल सिंह को एसएसआई हाईव, रंजीत सिंह को वृंदावन, महिला उप निरीक्षक मौना लीसा को कोसीकलां, संदीप सिंह को बल्देव, रोहित कुमार को महावन, संजीव कुमार को मोगरी, प्रशांत शर्मा को गोविंदनगर, रेनु शर्मा को थाना बरसाना स्थानांतरित किया है।

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईव क्षेत्र की मोतीनगर कॉलोनी, बालाजीपुरम में 24 वर्षीय महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान मोना के रूप में हुई है। वह अर्जुन सिंह की पत्नी थी।

पुलिस के अनुसार, मोना की शादी करीब पांच साल पहले हुई थी। उसकी

बिहारी जी मंदिर से मिली किशोरी को परिवार को सौंपा
यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन मिशन शक्ति टीम ने बिहारीजी मंदिर परिसर में परेशान और संदिग्धवस्था में घूमती एक 16 वर्षीय किशोरी को बरामद कर उसके परिवारीजनों को सौंप दिया। बांके बिहारी मंदिर में परेशान स्थिति में घूमती एक किशोरी पर सुरक्षाकर्मियों की नजर पड़ी। सुरक्षा कर्मियों ने किशोरी को थाने पहुंचा दिया। यहाँ मिशन शक्ति टीम ने किशोरी से अत्यंत आत्मीयता से काउंसलिंग कर उसका भरोसा जीता और लखनऊ में रह रहे उसके पिता को फोन किया। अपनी लड़की को सकुशल पाकर किशोरी के पिता और मामा उसे लेने के लिए थाना वृंदावन पहुंचे। मिशन शक्ति टीम ने सभी औपचारिकता पूरी कराने के बाद किशोरी को उसके पिता-मामा के संपर्क कर दिया।

डकैती की योजना बनाने के दोषी को छह साल की कैद

यूनिक समय, मथुरा। डकैती की योजना बनाने के मामले में एडीजे पंचम स्पेशल गैंगस्टर एक्ट की अदालत ने अभियुक्त सोनू उर्फ कयूम निवासी मीना नगर, कोसीकलां को दोषी ठहराया है। अदालत ने उसे छह साल के कारावास और 10 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई।

शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता में कलाकारों ने दिखाई प्रतिभा

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ की द्विदिवसीय शास्त्रीय संगीत एवं सुगम संगीत प्रतियोगिताएं श्रीजीबाबा की हवेली, आन्यौर, गोवर्धन में संपन्न हुईं। डॉ. राजेन्द्र कृष्ण संगीत महाविद्यालय, मथुरा के सहयोग से आयोजित प्रतियोगिता में शास्त्रीय गायन, वादन, कथक नृत्य, भजन और गजल की प्रस्तुतियों ने कला साधकों की प्रतिभा को मंच दिया। प्रतियोगिता में 25 प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान के लिए प्रमाणपत्र प्रदान किए गए, जबकि पांच प्रतिभागियों का फाइनल के लिए चयन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रख्यात कथावाचक रमाकांत गोस्वामी, लखनऊ से आई प्रदेश की संगीत सर्वेक्षक रेनू श्रीवास्तव, संयोजक डॉ. राजेन्द्र कृष्ण अग्रवाल और निर्णायक मंडल के सदस्यों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण-दीप प्रज्वलित कर किया।

संयोजक डॉ. अग्रवाल और



प्रमाण पत्रों के साथ शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागी और आयोजक।

महाविद्यालय की वरिष्ठ संगीत शिक्षिका शिप्रा गर्ग ने अतिथियों और निर्णायक मंडल के सदस्यों का शौल और पटुका ओढ़ाकर स्वागत किया। निर्णायक मंडल में प्रतिभा केशव तलेगांवकर, भानुप्रताप सिंह और सर्वेश्वर शरण शामिल रहे।

रेनू श्रीवास्तव ने प्रतियोगिता के उद्देश्य और नियमों की जानकारी दी।

डॉ. अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से शास्त्रीय और सुगम संगीत को प्रोत्साहन देने

और दूरदराज के कलाकारों को मंच उपलब्ध कराने की दिशा में ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण हैं।

निर्णायकों ने प्रतिभागियों को उनकी प्रस्तुतियों में सुधार के सुझाव भी दिए। मुख्य अतिथि रमाकांत गोस्वामी ने विजेताओं को आशीर्वाद दिया और सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

पहले दिन शास्त्रीय गायन के बाल वर्ग में अभिमन्यु शर्मा, भव्या जोशी और पद्माक्ष ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय

दो दिवसीय आयोजन में 25 कला साधकों को मिले पुरस्कार, पांच का फाइनल के लिए चयन

गायन, वादन, कथक, भजन और गजल में प्रतिभागियों ने बिखरे सुर

और तृतीय स्थान प्राप्त किया। ध्रुपद गायन बाल वर्ग में भक्ति धनगर द्वितीय और किशोर वर्ग के शास्त्रीय गायन में अनन्या शर्मा द्वितीय रहीं।

तबला वादन किशोर वर्ग में ध्रुव तिवारी, माधव और कृष्णा शर्मा क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय रहे। कथक में आरना अग्रवाल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

दूसरे दिन भजन बाल वर्ग में भव्या जोशी, पद्माक्ष शर्मा और आराध्या ठाकुर क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय रहे। किशोर वर्ग में कनक मिश्रा, गौरांश गौड़ और अनन्या शर्मा ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल किया।